मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 249
शनिवार, 28 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अयोध्या में धूमधाम से मनाई गई रामनवमी, 'श्रृंगार' और 'सूर्य तिलक' का अलौकिक संगम बना आकर्षण का केंद्र

अयोध्या , 27 मार्च। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में अत्यधिक भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इस अवसर पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर में दोपहर 12 बजे वैज्ञानिक तकनीक की मदद से रामलला का दिव्य 'सूर्य तिलक' किया गया। इस दौरान करीब नौ मिनट तक सूर्य की किरणें सीधे भगवान के मस्तक पर पड़ीं।

गर्भगृह में 14 पुजारियों ने वैदिक परंपरा के अनुसार अनुष्ठान संपन्न किए। समारोह के उपरांत मंदिर के कपाट कुछ समय के लिए बंद कर भगवान को 56 व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। श्रीराम की प्रतिमा की स्थापना के बाद यह दूसरा 'सूर्य तिलक' समारोह था। रामनवमी का पर्व चैत्र नवरात्र के नौवें दिन मनाया जाता है, यह भगवान श्रीराम के जन्म का

प्रतीक पर्व है। सुबह सूर्योदय के साथ ही उत्सव की शुरूआत सूर्य आराधना से हुई, जबकि दोपहर में भगवान के जन्म के समय सभी मंदिरों में विशेष पूजन और अनुष्ठान आयोजित किए गए।

अयोध्या के पुजारी अनुराग शुक्ला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने भक्ति गीत गाए और पालने में विराजमान रामलला की प्रतिमा को झुलाकर जन्मोत्सव मनाया। इस अवसर पर भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की रथयात्राएं विभिन्न मंदिरों से निकाली गईं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरयू नदी के तट पर पवित्र स्नान किया, जबकि कई श्रद्धालुओं ने व्रत भी रखा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अयोध्या को विभिन्न जोन और सेक्टरों में बांटा गया था।

अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात में बदलाव किया गया और भारी वाहनों का मार्ग पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर मोड़ा गया।

उन्होंने बताया कि अर्धसैनिक बलों, पीएसी और स्थानीय पुलिस के साथ जल पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें भी तैनात रहीं, जिन्होंने विशेष रूप से सरयू नदी के आसपास निगरानी रखी। गर्मी से तीर्थयात्रियों को राहत दिलाने के लिए राम मंदिर और हनुमानगढ़ी सहित प्रमुख स्थानों पर छांव और चटाई की व्यवस्था की गई थी। सभी प्रमुख स्थलों पर पीने का पानी उपलब्ध कराया गया था।

जम्मू-कश्मीर में हिमस्खलन से 7 लोगों की मौत, अन्य घायल

श्रीनगर, 27 मार्च। जम्मू-कश्मीर से इस समय की बड़ी खबर सामने आ रही है। जम्मू-कश्मीर के जोजिला दर्रे पर शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। भारी हिमस्खलन (एवलांच) की चपेट में आने से एक यात्री वाहन दब गया, जिसमें सवार 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

अधिकारियों के अनुसार, वाहन जोजिला दर्रे से गुजर रहा था, तभी अचानक पहाड़ से भारी बर्फ और मलबा गिर पड़ा और वाहन उसकी चपेट में आ गया। हादसा इतना भयानक था कि कई लोगों की मौके पर ही जान चली गई, जबकि अन्य लोग बुरी तरह घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। घायलों को मलबे से

निकालकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बचाव दल इलाके में फंसे अन्य लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। इस घटना पर केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि जोजिला दर्रे पर हिमस्खलन में 7 लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों को हर संभव सहायता देने का भरोसा दिलाया। प्रशासन ने खराब मौसम और भारी बर्फबारी को देखते हुए लोगों से जोजिला दर्रे की यात्रा से बचने और सावधानी बरतने की अपील की है।

कोविड-19 से भी खतरनाक हो सकते हैं आने वाले हालात: ईरान युद्ध के नतीजे पर पुतिन ने दुनिया को किया अलर्ट

नई दिल्ली, 27 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष ने दुनिया को एक नए संकट के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ती जंग के बीच Vladimir Putin ने ऐसी चेतावनी दी है, जिसने वैश्विक चिंताएं और बढ़ा दी हैं। उनका कहना है कि इस टकराव के नतीजे इतने गंभीर हो सकते हैं कि उनकी तुलना COVID-19 जैसी महामारी से की जा रही है - एक ऐसा दौर जिसने पूरी दुनिया की रफ्तार थाम दी थी।

27 दिनों से जारी संघर्ष में ईरान और इजराइल एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं और इसके बीच वैश्विक व्यवस्था डगमगाने लगी है। इस तनाव का सबसे बड़ा असर ऊर्जा सप्लाई पर पड़ा है। Strait of Hormuz जैसे अहम समुद्री रास्ते पर रुकावट ने तेल और गैस की आवाजाही को लगभग ठहराव पर ला दिया है। नतीजा यह है कि कई देशों में ईंधन की कमी गहराने लगी है और हालात इतने बिगड़ गए हैं कि कुछ जगहों पर इमरजेंसी तक घोषित करनी पड़ी है। इसी बीच Vladimir Putin का बयान इस संकट की गंभीरता को और बढ़ा देता है। मॉस्को में कारोबार जगत के लोगों से बातचीत के दौरान उन्होंने साफ कहा कि इस जंग के नतीजों का अंदाजा लगाना फिलहाल नामुमकिन है। उनका कहना है कि जब इस संघर्ष में शामिल देश ही भविष्य को लेकर अनिश्चित हैं, तो बाकी दुनिया के लिए इसका अनुमान लगाना और भी मुश्किल हो जाता है।पुतिन ने आगाह किया कि इस टकराव के प्रभाव बेहद गहरे हो सकते हैं। कुछ आकलन तो इसे COVID-19 जैसी वैश्विक तबाही से जोड़कर देख रहे हैं, जिसने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और विकास को झकझोर कर रख दिया था। उनके मुताबिक, मौजूदा हालात भी वैसी ही बड़ी गिरावट ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि जंग का असर केवल तेल-गैस तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। धातु, उर्वरक और अन्य उद्योगों पर भी इसका सीधा दबाव पड़ रहा है, जिससे वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ती जा रही है। रूसी राष्ट्रपति ने अपने देश को भी चेताया कि इस कठिन समय में एकजुट और मजबूत रहना जरूरी है। साथ ही उन्होंने कंपनियों और सरकार को तेल की बढ़ती कीमतों से होने वाले अतिरिक्त मुनाफे को लेकर सावधानी बरतने और संतुलित फैसले लेने की सलाह दी।

कांग्रेस ने जारी की केरल चुनाव की स्टार प्रचारकों की लिस्ट, खरगे, राहुल, सोनिया और प्रियंका समेत 40 बड़े नाम

केरल, 27 मार्च। केरल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी हलचल तेज हो चुकी है और इसी बीच कांग्रेस ने अपना बड़ा चुनावी प्लान सामने रख दिया है। पार्टी ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है, जो राज्यभर में चुनावी माहौल को गर्म करने वाले हैं। इस सूची में राष्ट्रीय स्तर के बड़े नेताओं को शामिल कर कांग्रेस ने साफ संकेत दे दिया है कि वह इस चुनाव को बेहद गंभीरता से ले रही है और सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंकने वाली है।

कांग्रेस द्वारा जारी स्टार प्रचारकों की सूची में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ कई अनुभवी और युवा चेहरे शामिल हैं। इसमें Mallikarjun Kharge, Sonia

Gandhi, Rahul Gandhi Priyanka Gandhi Vadra जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इसके अलावा Shashi Tharoor, K. C. Venugopal, Siddaramaiah, D. K. Shivakumar और Sachin Pilot जैसे नेता भी चुनाव प्रचार में अहम भूमिका निभाएंगे। इन सभी नेताओं के जरिए कांग्रेस राज्य के अलग-अलग इलाकों में मतदाताओं को साधने की रणनीति पर काम कर रही है।Kerala विधानसभा चुनाव 2026 के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही तारीखों का ऐलान कर दिया है। राज्य में एक ही चरण में 9 अप्रैल 2026 को मतदान होगा, जबकि 4 मई 2026 को मतगणना के बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। चुनावी प्रक्रिया की शुरूआत मार्च के मध्य में ही हो चुकी है और आचार संहिता लागू होने के साथ ही सभी दल पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुके हैं। इस बार केरल का चुनाव बेहद दिलचस्प होने वाला है क्योंकि मुकाबला केवल दो नहीं बल्कि तीन प्रमुख ताकतों के बीच माना जा रहा है। कांग्रेस जहां सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत लगा रही है, वहीं वामपंथी दल अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश में हैं। दूसरी ओर बीजेपी भी अपने वोट शेयर को बढ़ाने और कुछ सीटों पर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।कांग्रेस का फोकस इस बार केवल घोषणाओं पर नहीं बल्कि मजबूत कैंपेनिंग पर भी है। 40 स्टार प्रचारकों की तैनाती से पार्टी हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत करना चाहती है। पार्टी की कोशिश है कि बड़े नेताओं की रैलियों, जनसभाओं और रोड शो के जरिए मतदाताओं तक सीधे पहुंच बनाई जाए और एंटी-इंकंबेंसी का फायदा उठाया जाए।

असम चुनाव से पहले पीएम मोदी का डिजिटल दांव, नमो एप के जरिए साधेंगे लाखों वोटर

नई दिल्ली, 27 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी विधानसभा चुनावों से पहले 30 मार्च को दोपहर 1 बजे नमो ऐप के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं और असम की जनता को वर्चुअल रूप से संबोधित करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य भाजपा ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से इस संवादात्मक पहल में भाग लेने के लिए ऐप डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आह्वान किया है।

आगामी असम विधानसभा चुनावों पर दृढ़ ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील और दूरदर्शी जनसंपर्क के माध्यम से जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए तैयार है। जनसभाओं में अपने जनसंपर्क अभियान को जारी रखते हुए, माननीय प्रधानमंत्री 30 मार्च को दोपहर 1:00 बजे पार्टी कार्यकर्ताओं और असम की जनता से सीधे संवाद करेंगे। इस संबंध में, राज्य भाजपा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और असम के नागरिकों से नमो ऐप डाउनलोड करने और पंजीकरण करने का आग्रह करती है, ताकि वे इस अनूठी और संवादात्मक पहल का अभिन्न अंग बन सकें।

इससे पहले उसी दिन, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने आगामी चुनावों में भाजपा की जीत पर विश्वास व्यक्त किया। एएनआई से बात करते हुए, उन्होंने पार्टी द्वारा शुरू की गई विजय संकल्प यात्रा और इसके लिए जनता के समर्थन की प्रशंसा की।

उमर अब्दुल्ला की पीएम मोदी से गुहार, 'अन्यायपूर्ण युद्ध' रोकने के लिए कूटनीति का करें इस्तेमाल

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त कराने के लिए भारत के वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव का उपयोग करने का आग्रह किया। जम्मू और कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बोलते हुए, अब्दुल्ला ने क्षेत्र में बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस संकट ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है और राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी पीड़ा का कारण बन रहा है।मुख्यमंत्री ने बताया कि संघर्ष को लेकर होने वाली चचाओं में अक्सर सत्ता परिवर्तन, होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल की बढ़ती कीमतों जैसे रणनीतिक और राजनीतिक पहलुओं पर ही ध्यान केंद्रित किया जाता है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L.T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

केरल में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने को औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनुदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा रहा है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड भाषी लोग ज्यादा हैं। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में सभी की बातें एक तरह शामिल हैं। कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है। केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौवीं, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम ह्यमलयालम भाषा एक्ट 2025 की जगह केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025 होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था। बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ.मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

ईरान पर अमेरिकी और इजरायल के हमलों के कारण आम आदमी का जीवन ठप हो गया है

अशोक भाटिया

पश्चिम एशिया में लगातार जंग जारी है। ईरान और इजरायल एक-दूसरे पर मिसाइलों से हमले कर रहे हैं। उधर ट्रंप कभी जंग का समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं, तो कभी ईरान को धमकी देते नजर आ रहे हैं। अब ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने वॉशिंगटन की हालिया राजनयिक पहलों को दिखावा बताकर उन्हें खारिज कर दिया है। तेहरान ने कहा कि अमेरिका के वैश्विक प्रभाव का एक समय पर दबदबा था, जो अब खत्म हो चुका है।

पहले कुछ दिनों में ईरानी सेना द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। अब ईरान वर्तमान में कुछ देशों के जहाजों और तेल टैंकरों को 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 18 करोड़ रुपये में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे रहा है। टैंकर फंस गए हैं। आज तक, ईरानी सेना ने ईरानी सेना के बावजूद रास्ते से हटने की कोशिश कर रहे 20 जहाजों पर मिसाइल या ड्रोन दागे हैं।

यह व्यापक रूप से माना जाता है कि वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान से केवल पेट्रोल और डीजल की कमी होगी। लेकिन आधुनिक दुनिया में कच्चे तेल से उत्पादित उत्पादों और वस्तुओं ने इतनी घुसपैठ की है कि कच्चे तेल की आपूर्ति का मतलब है कि आम आदमी का जीवन ठप हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कल भारतीय संसद में लॉकडाउन के साथ इसकी तुलना इस अत्यधिक कच्ची निर्भरता के कारण की है।

अगर हम इसके दूरगामी प्रभावों को ध्यान में रखें और देखें कि हमें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, तो हम आने वाले महीनों के लिए सावधान रह सकते हैं। कतर में रास लाफान गैस टर्मिनल पर ईरानी हमले ने भारत की 47% गैस आपूर्ति को सीधे प्रभावित किया है, जिसने सभी गैस-आधारित उद्योगों को प्रभावित किया है। एलपीजी गैस का उपयोग कोयले के विकल्प के रूप में कई उद्योगों में एकमात्र ईंधन स्रोत के रूप में किया जाता है, जो गैर-प्रदूषणकारी और उपयोग में आसान है। रेस्टोरेंट और रेडी-टू-ईट इंडस्ट्री सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। इसका आने वाले वर्षों में फूड होम डिलीवरी इंडस्ट्री पर सीधा असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोग डिलीवरी चेन में कार्यरत रहते हैं और बेरोजगार हो जाते हैं।

मोरबी, दुनिया का नंबर 2 सिरेमिक विनिर्माण केंद्र, मोरबी, गुजरात में विकसित हुआ है। यह देश की 90% टाइलों का उत्पादन करता है और लगभग 9 लाख लोगों को रोजगार देता है। इसका वार्षिक कारोबार 50,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें से 18,000 करोड़ रुपये का निर्यात किया जाता है। यहां तक कि अगर फ्लैट बनाया गया है, तो टाइल्स की कमी के कारण आंतरिक कार्य में देरी होगी।कांच की बोतल और घरेलू उपकरणों की भट्टियां बड़ी मात्रा में गैस की खपत करती हैं। उन्हें बंद करने में लंबा समय लगता है और पुनरारंभ करते समय नुकसान हो सकता है। यदि बोतलों की आपूर्ति बाधित या बाधित होती है, तो शराब और दवाओं की पैकिंग के लिए उपयोग की जाने वाली बोतलें महंगी हो जाएंगी या अपर्याप्त आपूर्ति के कारण समस्याग्रस्त हो जाएंगी।

कई आधुनिक दवाएं पेट्रोकेमिकल्स से बनाई जाती हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि अपर्याप्त आपूर्ति दवाओं के उत्पादन को प्रभावित करती है।हमारे दैनिक जीवन में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली दवा फिनोल से बना पेरासिटामोल है, इबुप्रोफेन दर्द निवारक आइसोब्यूटाइलबेंजीन और प्रोपियोनिक एसिड से बनाया जाता है, मेटफॉर्मिन 80 से 90 प्रतिशत पेट्रोकेमिकल-आधारित होता है, और अन्य दवाओं के लिए 99 प्रतिशत कच्चा माल पेट्रोकेमिकल्स से आता है। नेफ्था, जिसका उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य में फार्मास्यूटिकल्स के लिए किया जाता है, वर्तमान में बंद है। नेफ्था का उपयोग फार्मास्युटिकल उद्योग में विलायक के रूप में किया जाता है और इसका उपयोग सक्रिय अवयवों को अलग करने के लिए किया जाता है। भारत जेनेरिक दवाओं का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। यह दुनिया की 20 प्रतिशत जरूरतों और संयुक्त राज्य अमेरिका की 40 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करता है। लेकिन आपूर्ति में व्यवधान के कारण उद्योग वर्तमान में संकट में है। प्राथमिकता के कारण, उद्योग के लिए उपलब्ध पेट्रोकेमिकल उत्पादों की कमी है।सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसे संस्थान, जो दुनिया के 40-50% टीकों की आपूर्ति करते हैं, पेट्रोकेमिकल्स पर भी निर्भर हैं, जो वैक्सीन की बोतलों, सीरिंज, पैकेजिंग और यहां तक कि वैक्सीन के घटकों में बहुत उच्च श्रेणी के प्लास्टिक हैं, जो पेट्रोकेमिकल्स पर आधारित हैं, जो उत्पादन की लागत बढ़ा रहे हैं और उपलब्धता को कम कर रहे हैं।

अरब देशों और ईरान रासायनिक उर्वरकों के विश्व उत्पादन का 20% हिस्सा हैं, लेकिन यूरिया के उत्पादन का 46% हिस्सा है। भारत, ब्राजील और चीन अरब देशों के प्रमुख उपभोक्ता हैं। भारत अरब देशों से अमोनियम नाइट्रेट जैसे अन्य उर्वरकों के अलावा अरब देशों से यूरिया की अपनी वार्षिक आवश्यकता का 50% आयात करता है। देश में खाद्य उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उर्वरक की बढ़ती कीमतों और अपर्याप्त आपूर्ति के कारण दुनिया भर में भोजन की कमी की संभावना के बारे में पहले से ही बात की जा रही है। भोजन की कमी और राजनीतिक स्थिरता का गहरा संबंध है। जिन देशों में भोजन की कमी और मुद्रास्फीति बढ़ती है, वहां सत्तारूढ़ दलों का विरोध और हिंसा का सामना करने का इतिहास रहा है, जिसके कारण एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में कई राजनीतिक तूफान आए हैं।

अरब देशों में वैश्विक सल्फर उत्पादन का 50% हिस्सा है, जिनमें से लगभग सभी ईरानी हमलों से प्रभावित हुए हैं, या क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है, तैयार उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार में जाने का कोई रास्ता नहीं है। इससे सल्फर आधारित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में 50% की वृद्धि हुई है। ईवी बैटरी उद्योग में तांबा, निकल, कोबाल्ट के उत्पादन में सल्फ्यूरिक एसिड आवश्यक है, जो पूरे बैटरी उद्योग को प्रभावित करेगा।

हीलियम को प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण के दौरान उप-उत्पाद के रूप में निकाला जाता है। जब एलएनजी उत्पादन बंद हो जाता है, तो हीलियम की आपूर्ति बंद हो जाती है। कतर में रास लाफान परिसर पर हमलों के बाद से हीलियम का उत्पादन रुक गया है, जो दुनिया में सबसे बड़ा हीलियम पैदा करता है। यह दुनिया की आपूर्ति का लगभग 30 से 36 प्रतिशत आपूर्ति करता है। उन्होंने कहा कि यदि इन कंटेनरों को लगभग 45 दिनों के भीतर नहीं ले जाया जाता है, तो गैस टैंकरों का एक बड़ा हिस्सा स्थायी रूप से नष्ट हो जाएगा । हीलियम एकमात्र ऐसी चीज है जिसे हीलियम द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, जो एमआरआई स्कैनिंग मशीनों द्वारा उत्पादित छवियों में स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण चीज है, जिसके लिए बहुत कम तापमान की आवश्यकता होती है। पूर्वी एशिया में अर्धचालक उद्योग पर तत्काल और गंभीर प्रभाव पड़ता है। हीलियम अर्धचालक बनाने की प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उपयोग अर्धचालकों में वेफर्स को ठंडा करने के लिए किया जाता है। वैक्यूम सिस्टम में रिसाव की जांच के लिए हीलियम का कोई अन्य विकल्प नहीं है। 5 नैनोमीटर से कम चिप्स में, विनिर्माण प्रक्रिया में थोड़ी सी भी गर्मी उत्पादन में बड़ी कमी या उत्पादन में पूर्ण विराम का कारण बन सकती है। इसलिए यह मुसीबत में है। क्योंकि कोरिया अपने हीलियम का दो-तिहाई हिस्सा कतर से आयात करता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी कंपनियां, जो एआई त्वरक के लिए आवश्यक उच्च-बैंडविड्थ मेमोरी की आपूर्ति में विश्व में अग्रणी हैं, ने हीलियम के संरक्षण के लिए पहले ही कदम उठाना शुरू कर दिया है। 2026 में, इससे डिजिटल उपकरण, विशेष रूप से मोबाइल हैंडसेट, लैपटॉप की ओर ले जाया जाएगा। टैबलेट और सैन्य और नागरिक ड्रोन सहित वर्तमान प्रमुख एआई तकनीक को कम उत्पादन और बढ़ी हुई लागत के दोहरे खतरे का सामना करना पड़ेगा।

बहरीन एल्युमीनियम कंपनी अल्बा दुनिया की अग्रणी एल्युमीनियम कंपनियों में से एक है और इसे दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट स्मेल्टिंग फैसिलिटी के रूप में जाना जाता है। ईरानी हमले के कारण इसकी तीन इकाइयां बंद होने के कारण वैश्विक आपूर्ति बाधित होने के कारण बीयर और शीतल पेय के डिब्बे की कीमतें बढ़ रही हैं। इन पेय पदार्थों के लिए इस्तेमाल होने वाली कांच की बोतलें भी गैस की कमी के कारण महंगी हो गई हैं। इससे इन पेय पदार्थों की पैकेजिंग 20 से 40 प्रतिशत अधिक महंगी हो जाएगी। इसके अलावा, फार्मास्युटिकल उद्योग में सर्जिकल उपकरणों, फॉइल और खाद्य पैकेजिंग में एल्युमीनियम के उपयोग की लागत भी महंगी होगी, जो एक साथ कई उद्योगों को प्रभावित करेगी। पेट्रोल और डीजल की कमी और उद्योगों में वृद्धि दैनिक जीवन में हर चीज की कीमत को प्रभावित करने जा रही है। भारत में कीमतें अभी तक नहीं बढ़ी हैं, लेकिन जल्द ही बढ़ेंगी। जेट ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी और हवाई यात्रा महंगी हो जाएगी। ईंधन की कीमतों का खाद्यान्न, सब्जी, दूध, शिक्षा, रोजगार पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। रेडी-टू-ईट फूड की होम डिलीवरी पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, होम इंडस्ट्री और लघु उद्योगों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, भारत के कोने-कोने में फल-फूल रही घरेलू टूरिज्म और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री भी बड़ी मुसीबत में फंस जाएगी, इसके लिए सामूहिक ज्ञान और सावधानी की आवश्यकता है। यही एक बड़ा कारण है कि सरकार हमें कोरोना की समस्या की याद दिला रही है क्योंकि लंबे समय तक चलने वाली लड़ाई हमारे लिए इतना समय और बड़ी मुश्किलें पैदा कर सकती है कि शायद हम भूल जाएंगे!

बुलडोजर के सामने बाहुबल की बगावत!, 2027 से पहले जेल से सत्ता तक की साजिश?

-सुरेश गांधी

उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर वह पुराना साया लौटता दिख रहा है, जिसे बाहुबली राजनीति कहा जाता रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चेहरे बदल गए हैं, लेकिन खेल वही पुराना है, जेल की सलाखों के पीछे से चुनावी बिसात बिछाने का। माफिया मुक्त अभियान और बुलडोजर कार्रवाई के बीच यह सवाल और तीखा हो गया है कि क्या सचमुच बाहुबल का अंत हो चुका है, या वह नई रणनीति के साथ फिर से सत्ता की दहलीज पर दस्तक दे रहा है। पूर्वांचल में विजय मिश्रा जैसे चेहरों के परिवार की सक्रियता, मऊ बेल्ट में अफजाल अंसारी और मुख्तार अंसारी के परिजनों की चुनावी तैयारियां, और विधानसभा में उठे बयान, ये सब मिलकर एक बड़े राजनीतिक संकेत दे रहे हैं। सवाल यह नहीं कि कौन चुनाव लड़ेगा, बल्कि यह है कि क्या 2027 में फिर वही जेल से का मॉडल लौटेगा? और क्या सियासी दल, खासकर अखिलेश यादव की पार्टी, जीत के लिए इस रास्ते पर फिर चलने को तैयार हैं? यह लड़ाई सिर्फ सीटों की नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति के चरित्र की है, जहां एक ओर बुलडोजर की सख्ती है, तो दूसरी ओर बैलेट की बिसात पर बाहुबल की वापसी की जिद

उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वांचल की राजनीति लंबे समय तक एक ऐसे दौर से गुजरी है, जहां बाहुबल और जनाधार का फर्क अक्सर धुंधला पड़ जाता था। चुनावी मैदान में ताकत का प्रदर्शन सिर्फ विचारों और नीतियों से नहीं, बल्कि प्रभाव, भय और नेटवर्क के सहारे भी तय होता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह माफिया मुक्त उत्तर प्रदेश का नारा और उस पर अमल देखने को मिला, उसने इस पूरे परिदृश्य को बदलने का दावा किया। फिर भी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले जो संकेत सामने आ रहे हैं, वे यह सवाल उठाने के लिए पर्याप्त हैं, क्या बाहुबली राजनीति सचमुच खत्म हो गई है, या उसने बस अपना चेहरा और तरीका बदल लिया है? इसकी बड़ी वजह जेल से चुनाव की तैयारी, परिवार के सहारे वापसी की कोशिश और सियासी दलों की मजबूरियां है. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या माफिया युग सचमुच खत्म हुआ या सिर्फ रूप बदल रहा है?

वैसे भी पूर्वांचल की राजनीति में यह कोई नई बात नहीं रही कि जेल में बंद रहते हुए भी कुछ प्रभावशाली चेहरे चुनाव जीतते रहे। यह लोकतंत्र की एक विचित्र विडंबना भी रही है, जहां कानून के शिकंजे में फंसा व्यक्ति भी जनता का प्रतिनिधि बन जाता है। इसी संदर्भ में विजय मिश्रा का नाम बार-बार चर्चा में आता है। कई बार अलग-अलग परिस्थितियों में चुनाव जीतना, जेल से भी राजनीतिक पकड़ बनाए रखना और स्थानीय स्तर पर मजबूत नेटवर्क खड़ा करना, यह सब उस मॉडल की ओर इशारा करता है, जिसे अब जेल से जनादेश की राजनीति कहा जाने लगा है। अब एक बार फिर उनके परिवार, बेटी, बहू, की सक्रियता यह संकेत देती है कि यह मॉडल पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। बल्कि यह नए रूप में, परिवार के सहारे, फिर से मैदान में उतरने की तैयारी कर रहा है।

परिवार मॉडल : बाहुबल का नया संस्करण

समय के साथ रणनीति बदली है। पहले जहां बाहुबली खुद मैदान में उतरते थे, अब परिवार को आगे किया जा रहा है। पत्नी, बेटे या बेटी को उम्मीदवार बनाना. सहानुभूति का नैरेटिव गढ़ना. राजनीतिक साजिश बनाम पीड़ित परिवार की छवि बनाना. यह मॉडल सिर्फ एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। मऊ और आसपास के क्षेत्रों में भी इसी तरह की हलचल दिखाई दे रही है। अफजाल अंसारी की बेटी के चुनावी मैदान में उतरने की चर्चा हो, या मुख्तार अंसारी के बेटे और परिजनों की सक्रियता, यह सब मिलकर एक बड़े ट्रेंड की ओर इशारा करता है। यह ट्रेंड बताता है कि बाहुबल अब सीधे नहीं, बल्कि परिवार के जरिए राजनीति में अपनी मौजूदगी बनाए रखना चाहता है।

सियासत की मजबूरी या रणनीतिक वापसी?

सबसे बड़ा सवाल यही है, क्या राजनीतिक दल इस मॉडल को बढ़ावा दे रहे हैं या परिस्थितियां उन्हें इसके लिए मजबूर कर रही हैं? अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के सामने 2027 का चुनाव एक बड़ी चुनौती है। पूर्वांचल में उसका जनाधार पहले जैसा मजबूत नहीं रहा। ऐसे में चुनावी विश्लेषक यह तर्क दे रहे हैं कि : अगर सपा को सत्ता में वापसी करनी है, तो उसे उन स्थानीय प्रभावशाली चेहरों को साथ लेना ही होगा, जो भले ही विवादित हों, लेकिन अपने क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यह तर्क राजनीतिक रूप से भले ही व्यावहारिक लगे, लेकिन नैतिक और लोकतांत्रिक दृष्टि से यह गंभीर सवाल भी खड़े करता है।

बुलडोजर नीति बनाम बैलेट की ताकत

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जिस तरह से माफिया के खिलाफ कार्रवाई हुई, वह अभूतपूर्व मानी गई। गैंगस्टर एक्ट के तहत सख्ती, अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर, संगठित अपराध के नेटवर्क को तोड़ने की कोशिश. इन कार्रवाइयों ने यह संदेश जरूर दिया कि अब कानून से ऊपर कोई नहीं है। लेकिन अब जब वही चेहरे या उनके परिवार चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कानून की सख्ती राजनीतिक प्रभाव को पूरी तरह खत्म कर पाई है?

सदन के बयान और सियासी संकेत

हाल ही में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के बयान ने इस बहस को और तेज कर दिया। उन्होंने विजय मिश्रा और उनके बेटे के संदर्भ में सवाल उठाए। इस बयान को कुछ लोग कानूनी दृष्टिकोण से देख रहे हैं, तो कुछ इसे संभावित राजनीतिक समीकरण के संकेत के रूप में। यही वह बिंदु है जहां सियासत और कानून की रेखाएं एक बार फिर धुंधली होती दिखती हैं।

पूर्वांचल का बदलता सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अब जनता का मूड पहले जैसा नहीं रहा। युवा वर्ग रोजगार, शिक्षा और विकास को प्राथमिकता दे रहा है, महिलाओं के लिए सुरक्षा बड़ा मुद्दा बन चुका है, शहरीकरण और सूचना के विस्तार ने मतदाता को अधिक जागरूक बनाया है. इसके बावजूद, ग्रामीण इलाकों में जातीय समीकरण और स्थानीय प्रभाव अब भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यही वह जगह है जहां बाहुबली राजनीति अपनी बची-खुची जमीन तलाशती है।

2027 : निर्णायक मोड़ या संक्रमणकाल?

2027 का विधानसभा चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं होगा, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की राजनीति के चरित्र को भी तय करेगा। तीन संभावनाएं साफ दिखती हैं :- सीमित पुनरुत्थान : बाहुबली परिवार कुछ सीटों तक सीमित प्रभाव बनाए रखें, नए चेहरे. पुराना नेटवर्क : परिवार के जरिए बाहुबल की राजनीति नए रूप में जारी रहे. पूर्ण समाप्ति : सख्ती और बदले मतदाता के चलते इस राजनीति का अंत हो जाएं.

लोकतंत्र के लिए बड़ा सवाल

इस पूरी बहस के केंद्र में एक बड़ा सवाल है, क्या लोकतंत्र में प्रभाव और भय की राजनीति के लिए जगह होनी चाहिए? या फिर अब समय आ गया है कि राजनीति पूरी तरह मुद्दों, विकास और पारदर्शिता के आधार पर तय हो?

बदलता दौर, अधूरी कहानी

यह कहना जल्दबाजी होगी कि बाहुबली राजनीति पूरी तरह खत्म हो चुकी है। हां, यह जरूर कहा जा सकता है कि उसका स्वरूप बदल रहा है। अब यह खुला प्रदर्शन नहीं, बल्कि रणनीतिक और पारिवारिक ढांचे में ढलती जा रही है। बुलडोजर दौर ने इस राजनीति को कमजोर जरूर किया है, लेकिन खत्म नहीं। अब फैसला जनता के हाथ में है, क्या वह पुराने प्रभाव के साथ खड़ी होती है, या नए भारत की राजनीति को चुनती है? 2027 सिर्फ एक चुनाव नहीं, बल्कि पूर्वांचल की सियासत के भविष्य का जनमत संग्रह साबित हो सकता है।

साहित्यिक आयोजनों में जुगलबंदी का जाल

- डॉ. प्रियंका सौरभ

-प्रियंका सौरभ

भारतीय साहित्यिक परिदृश्य सदैव से विविधता, विचारशीलता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक रहा है। यह वह क्षेत्र है जहाँ शब्द केवल रचना नहीं होते, बल्कि समाज के अनुभव, संघर्ष, संवेदनाएँ और परिवर्तन की आकांक्षाएँ भी अभिव्यक्त करते हैं। परंतु वर्तमान समय में साहित्यिक आयोजनों—विशेषकर सरकारी अकादमियों, संस्थानों, फाउंडेशनों और मंत्रालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों—को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो रहा है: क्या ये मंच वास्तव में प्रतिभा और सृजनशीलता के आधार पर संचालित हो रहे हैं, या फिर जुगलबंदी और नेटवर्किंग ही इनके वास्तविक निर्धारक बन चुके हैं?

आज यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि इन आयोजनों में भागीदारी का अवसर उन्हीं लोगों को मिलता है, जिनकी आयोजकों, चयनकर्ताओं या संबंधित पदाधिकारियों से निकटता होती है। यह निकटता कई रूपों में सामने आती है—व्यक्तिगत संबंध, वैचारिक समानता, संस्थागत जुड़ाव या वर्षों से बनी आपसी समझदारी। परिणामस्वरूप, एक सीमित समूह बार-बार मंचों पर दिखाई देता है, जबकि बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली और समर्पित रचनाकार अवसरों से वंचित रह जाते हैं।

यह स्थिति केवल एक प्रशासनिक विसंगति नहीं, बल्कि साहित्य के मूल स्वभाव के विपरीत है। साहित्य का उद्देश्य ही है—समाज के विविध अनुभवों को स्थान देना, नए स्वरों को पहचानना और अभिव्यक्ति के नए आयामों को प्रोत्साहित करना। जब मंच सीमित लोगों तक सिमट जाते हैं, तो साहित्य की यह व्यापकता संकुचित होने लगती है। यह एक प्रकार का सांस्कृतिक केंद्रीकरण है, जहाँ अवसर और मान्यता कुछ हाथों में केंद्रित हो जाते हैं।

नई पीढ़ी के लेखकों और रचनाकारों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से निराशाजनक है। आज का युवा लेखक अपनी रचनात्मकता के बल पर आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन जब उसे यह महसूस होता है कि मंच तक पहुँचने के लिए ह्यसही लोगोंह्न से संपर्क होना अधिक आवश्यक है, तो उसका उत्साह क्षीण होने लगता है। यह न केवल उसकी व्यक्तिगत यात्रा को प्रभावित करता है, बल्कि साहित्यिक परंपरा की निरंतरता को भी बाधित करता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रवृत्ति साहित्यिक विमर्श की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। जब एक ही समूह के लोग बार-बार मंचों पर उपस्थित होते हैं, तो विचारों में विविधता घट जाती है। नए दृष्टिकोण, नए अनुभव और नई भाषिक शैलियाँ सामने नहीं आ पातीं। परिणामस्वरूप, साहित्य में एक प्रकार का ठहराव आ जाता है और वह समाज के बदलते स्वरूप को पूर्णतः प्रतिबिंबित नहीं कर पाता।

यह समस्या केवल साहित्य तक सीमित नहीं है; कला, संस्कृति और शिक्षा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी नेटवर्किंग और जुगलबंदी की यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। परंतु साहित्य जैसे संवेदनशील और वैचारिक क्षेत्र में इसका प्रभाव अधिक गहरा होता है, क्योंकि यहाँ केवल अवसर ही नहीं, बल्कि विचारों की दिशा भी प्रभावित होती है।

हालाँकि, यह कहना भी एकतरफा होगा कि सभी संस्थान और आयोजन इसी प्रवृत्ति से ग्रस्त हैं। कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जहाँ आयोजकों ने पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्राथमिकता दी है। खुले आमंत्रण (ओपन कॉल), स्पष्ट चयन प्रक्रिया और नए रचनाकारों को मंच देने की पहल—ये सभी सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन ऐसे प्रयास अभी भी व्यापक प्रवृत्ति का रूप नहीं ले सके हैं। समाधान की दिशा में सबसे पहला और आवश्यक कदम है—पारदर्शिता। आयोजनों में भागीदारी के लिए स्पष्ट और सार्वजनिक मानदंड निर्धारित किए जाने चाहिए। चयन प्रक्रिया में विविधता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी एक समूह या विचारधारा का वर्चस्व स्थापित न हो। निर्णायक मंडल में विभिन्न पृष्ठभूमियों के विशेषज्ञों को शामिल करना इस दिशा में एक प्रभावी कदम हो सकता है।

इसके साथ ही, नए और उभरते रचनाकारों के लिए विशेष मंच तैयार किए जाने चाहिए। ओपन कॉल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना, लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन करना और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना—ये सभी उपाय अवसरों को अधिक समावेशी बना सकते हैं। तकनीक ने भौगोलिक सीमाओं को काफी हद तक समाप्त कर दिया है; अब आवश्यकता है कि इसका उपयोग साहित्यिक लोकतंत्र को सशक्त बनाने में किया जाए।

साहित्यिक समुदाय की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल आयोजकों पर प्रश्न उठाना पर्याप्त नहीं है, रचनाकारों, आलोचकों और पाठकों को भी इस विषय पर सजग और सक्रिय होना होगा। मौन स्वीकृति किसी भी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाती है, जबकि सजग संवाद परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। मीडिया और सामाजिक मंच भी इस संदर्भ में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यदि इन मुद्दों को व्यापक स्तर पर उठाया जाए, तो संस्थानों पर सकारात्मक दबाव बनेगा। साथ ही, निष्पक्ष और पारदर्शी आयोजनों के उदाहरणों को सामने लाना भी आवश्यक है, ताकि एक स्वस्थ और प्रेरणादायक मॉडल विकसित हो सके।

अंततः, यह समझना आवश्यक है कि साहित्य केवल कुछ लोगों का मंच नहीं है; यह समाज की सामूहिक चेतना का दर्पण है। यदि इस दर्पण पर जुगलबंदी की परत चढ़ जाएगी, तो प्रतिबिंब भी विकृत दिखाई देगा। साहित्य की आत्मा उसकी स्वतंत्रता, विविधता और निष्पक्षता में निहित है। समय की माँग है कि हम इस प्रवृत्ति को पहचानें, उस पर खुलकर चर्चा करें और सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाएँ। यदि हम आज सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें इस असंतुलन के लिए उत्तरदायी ठहराएँगी। इसलिए अब आवश्यक है कि साहित्यिक आयोजनों को अपनों के उत्सव की सीमाओं से निकालकर सार्वजनिक मंच बनाया जाए—जहाँ हर प्रतिभा को समान अवसर मिले, हर स्वर को अभिव्यक्ति का अधिकार हो, और साहित्य अपनी वास्तविक गरिमा के साथ समाज का मार्गदर्शन कर सके।

वार्ड के नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयास जारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मोहन पैराडाइज फेज-2, वायले नगर के निवासियों को पिछले कई दिनों से पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा था। सोसायटी के सेक्रेटरी सुरेश आंबेकर ने महानगरपालिका और पानी की आपूर्ति कार्यकारी विभाग, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के समक्ष बार-बार इस मुद्दे को उठाया था। स्थानीय नगरसेवकों को भी इस बारे में ज्ञापन दिया गया था, लेकिन अभी तक संतोषजनक समाधान नहीं निकला था। इस पृष्ठभूमि में आज महानगरपालिका में जाकर कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका के आयुक्त अभिनय गोयल से मुलाकात की और इस पानी की समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की।

वार्ड के नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं समय पर और उचित तरीके से मिलनी चाहिए, जिसके लिए आयुक्त से निवेदन किया गया। जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान होगा, इसके लिए निरंतर प्रयास जारी रहेगा। इस मौके पर रुपेश केरू सकपाळ शिवसेना नगरसेवक पैनल क्र. 5 विभाग प्रमुख डॉ. तनुजा अनिकेत वायले शिवसेना नगरसेविका पैनल क्र. 5 किरण राजाराम भांगले शिवसेना नगरसेवक पैनल क्र. 5 प्रमिला भगवान पाटील शिवसेना नगरसेविका पैनल क्र. 5 सभी उपस्थित थे।

काशीमीरा में सकल हिंदू समाज द्वारा श्री राम जन्म उत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीमीरा में सकल हिंदू समाज द्वारा श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। जहां पर भारी संख्या में श्री राम भक्तों ने आयोजित कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। गजा बाजा के साथ निकाली गई श्री राम चंद्र की झांकियां। यह शोभा यात्रा 26 मार्च गुरुवार शाम 4:30 बजे से काशीमीरा साईं कृपा कंपलेक्स काला हनुमान मंदिर से आरंभ होकर पूरा काशीमीरा परिसर में घुमाया गया। जय श्री राम के जय घोष से गूंज उठा काशीमीरा परिसर, सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन की पुख्ता व्यवस्था किया गया था, हर संवेदनशील चौराहे पर पुलिस बल के जवान मुस्तैद थे। जहां पर स्वयं काशीगांव पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई राहुल कुमार पाटिल ने मॉनिटरिंग कर रहे थे, ताकि शोभा यात्रा को सफल बनाया जाए। इस कार्यक्रम में संयुक्त रूप से स्थानीय राजनीतिक दलों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

भिवंडी प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों की अब खैर नहीं, कर वसूली विभाग की सख्त जप्ती कार्रवाई में 863 संपत्तियां की जप्त

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका के सामने प्रॉपर्टी टैक्स की बढ़ती बकाया राशि बड़ी चुनौती बनकर खड़ी है। वर्षों से लंबित कर, दोहरी नोंद, ध्वस्त इमारतों की प्रविष्टियां और विवादित संपत्तियों के कारण बकाया राशि में भारी वृद्धि हुई है जिसके चलते अब मनपा प्रशासन ने वसूली तेज करते हुए बकायेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मनपा आयुक्त अनमोल सागर व अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे के मार्गदर्शन में, उपायुक्त (कर) बालकृष्ण क्षीरसागर के नेतृत्व में कर विभाग सक्रिय हुआ है। विभाग प्रमुख सुधीर गुरव और पांच प्रभागों की टीम ने अब तक कुल वसूल योग्य प्रॉपर्टी टैक्स का करीब 20 प्रतिशत यानी 92 करोड़ रुपये की वसूली की है। मार्च अंत तक यह आंकड़ा 100 करोड़ पार करने का लक्ष्य रखा गया है। बताया गया कि भिवंडी में कुल 2 लाख 71 हजार संपत्तियों पर 844 करोड़ 8 लाख रुपये का बकाया दर्ज है। इसमें झोपड़पट्टी क्षेत्र से 371 करोड़ 68 लाख और वाणिज्यिक संपत्तियों से 472 करोड़ 40 लाख रुपये शामिल हैं। ब्याज घटाने के बाद बकाया 562 करोड़ 58 लाख रुपये रह जाता है, जबकि चालू वर्ष की मांग 122 करोड़ है। इस प्रकार निव्वल बकाया 445 करोड़ 58 लाख रुपये है। हालांकि, अस्तित्व में नहीं रहने वाली या विवादित संपत्तियों को हटाने के बाद वास्तविक वसूली योग्य राशि लगभग 275 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बकाया कर नहीं भरने वाले संपत्ति धारकों पर मनपा ने सख्त रुख अपनाते हुए संपत्तियों की जप्ती और पानी के नल कनेक्शन काटने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अब तक 863 संपत्तियां जप्त की जा चुकी हैं, जिसमें से कई लोगों ने कर भरने के बाद राहत पाई है। फिलहाल 41 संपत्तियां जप्त हैं, जबकि 3,671 पानी कनेक्शन काटे गए हैं। मनपा प्रशासन का कहना है कि प्रॉपर्टी टैक्स उसकी आय का मुख्य स्रोत है, और इसकी वसूली में कमी का सीधा असर शहर के विकास कार्यों पर पड़ रहा है। ऐसे में बकायेदारों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उक्त जानकारी कर उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर ने दी है।

रामनवमी उत्सव के उपलक्ष्य में सकल हिंदू समाज ने किया विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। रामनवमी के पावन अवसर पर गुरुवार 26 मार्च 2026 को शाम 7 बजे से 9 बजे तक पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत सिडको कॉलोनी स्थित श्री गणेश अय्यपा मंदिर के प्रांगण में सकल हिंदू समाज द्वारा विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत छत्रपति शिवाजी महाराज और भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद, शॉल और तुलसी वृक्ष से मान्यवरों का स्वागत किया गया।

समाज को समरस और संगठित बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में हिंदू समाज के समक्ष एकता एवं राष्ट्रवाद का संदेश दिया गया। सम्मेलन से पहले एक भव्य कलश यात्रा आयोजित की गई, जो जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर साईबाबा नगर, शुक्ला कंपाउंड, डी जे नगर बोईसर होते हुए गणेश अयप्पा मंदिर तक पहुंची। इस कार्यक्रम में कवि शेखर तिवारी ने अपनी कविताओं के माध्यम से समाज में एकता का संदेश दिया, जबकि मंच पर उपस्थित वक्ताओं ने स्वदेशी समान खरीदने, अपनी संस्कृति को अपनाने इत्यादि विषयों पर जोर दिया।

सम्मेलन में प्रमुख वक्ता के रूप में डॉक्टर नंदकुमार वर्तक, शिक्षण महर्षि रजनीकांत भाई श्राप व अजय मुंडे मंच पर मौजूद रहे।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और वंदे मातरम् गीत के साथ हुआ। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने महाप्रसाद के रूप में भंडारे का आनंद लिया।

श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर भव्य शोभायात्रा

चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर कल्याण शहर में सकल हिंदू समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा में सजी हुई महिलाएं, रामभक्त और युवक शामिल थे।

शोभायात्रा का प्रारंभ कल्याण पश्चिम के किल्ले दुगार्डी स्थित भवानी चौक से हुआ, जहां दुगार्डी देवी की आरती के साथ शोभायात्रा शुरू हुई। शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम का भव्य चित्ररथ, महापराक्रमी श्री बजरंगबली की आकर्षक झांकी, विविध पारंपरिक चित्ररथ, सांस्कृतिक सादरीकरण और साहसी खेलों के प्रात्यक्षिक शामिल थे। शोभायात्रा का समापन पारनाका स्थित श्रीराम मंदिर में महाआरती के साथ हुआ। इस अवसर पर कल्याण विकास फाऊंडेशन की अध्यक्षा नगरसेविका हेमलता पवार, शिवसेना उपनेत्या विजया पोटे, शिवसेना शहरप्रमुख रवी पाटील, नगरसेवक जयवंत भोईर, नगरसेवक अमित धाक्रस और अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

सत्यम डांस बार पर तहसीलदार ने की कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के सत्यम बार (गणेश भवन) पर फिर से तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। कल्याण पूर्व के खडेगोळवली इलाके में स्थित सत्यम उर्फ गणेश भवन डांसबार एक बार फिर विवाद में आया है। इस बार सरकारी जमीन पर होने के कारण पिछले डेढ़ साल में दो बार कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन बार फिर से शुरू हो गया था। आज फिर से तहसीलदार की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर बार पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की। बार के कर्मचारियों और चालक ने इस कार्रवाई का विरोध किया और जेसीबी के नीचे बैठ गए, जिससे कार्रवाई में कुछ समय के लिए बाधा उत्पन्न हुई। आखिरकार, तहसीलदार की टीम ने पुलिस बल की मदद से कार्रवाई फिर से शुरू की।

इस दौरान बार के चालक ने आरोप लगाया कि तहसीलदार की टीम यह कार्रवाई बदले की भावना से कर रही है, क्योंकि उनकी कुछ ब्लैकमेलरों की मांगें पूरी नहीं की गई थीं। जिससे उनके बार पर जेसीबी मशीन लगाकर तोड़ा गया।

भिवंडी में जीवन ज्योत चैरिटेबल क्लिनिक में सोनोग्राफी व डेंटल क्लिनिक का उद्घाटन महापौर नारायण चौधरी द्वारा किया गया

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ओसवाल जीवन ज्योत चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जीवन ज्योत चैरिटेबल क्लिनिक में सोनोग्राफी एवं डेंटल क्लिनिक का भव्य उद्घाटन भिवंडी मनपा के महापौर नारायण चौधरी के हाथों संपन्न हुआ। यह अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सेंटर अंजूरफाटा, कामतघर रोड स्थित जगनाथ महादेव मंदिर के पास रिद्धि सिद्धि अपार्टमेंट में शुरू किया गया है। इस चैरिटेबल क्लिनिक में अब मरीजों को एक ही छत के नीचे विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं किफायती दरों पर उपलब्ध होंगी। यहां सोनोग्राफी (टोमोग्राफी), डेंटल उपचार, पैथोलॉजी लैब, ऑथोपेंडिक, फिजियोथेरेपी, न्यूरोलॉजी, यूरोलॉजी तथा एम.डी. डॉक्टरों द्वारा सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलने से क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथियों के रूप में नगरसेवक निलेश चौधरी, सुमित पाटिल, राजिता मोहन कोंडा, मोहन कोंडा, रतिलाल सुमरिया तथा अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी के अध्यक्ष रामकृष्ण पोट्टाबत्तीनी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुषों की उपस्थिति देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर सुरेश गडा, रमणीक हरिया, कांतीलाल सावला, आश्विन चंदेरिया, श्रीकांत कोंडा और सतीष वेमुला ने सभी अतिथियों का शाल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। यह क्लिनिक सामाजिक सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है, जिससे भिवंडी क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

समाजसेवी मनीष गुप्ता के सहयोग से प्राचीन शिव मंदिर का पुन: निर्माण सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुंबई के निकटवर्ती पालघर क्षेत्र में आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का एक दिव्य एवं प्रेरणादायक संगम देखने को मिला। क्षेत्र के प्रतिष्ठित रीयल एस्टेट व्यवसायी एवं समाजसेवी मनीष मदन गुप्ता के विशेष सहयोग व समर्पण से एक प्राचीन शिव मंदिर का भव्य पुनर्निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया।

यह पावन कार्य केवल मंदिर के पुनर्निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था के पुनर्जागरण का प्रतीक बनकर उभरा है। मंदिर परिसर में स्थापित शिलालेख पर 27 मार्च 2026 की तिथि अंकित की गई है, जो इस ऐतिहासिक और पुण्यदायी क्षण को सदा के लिए स्मरणीय बनाती है। मंदिर के नव-निर्माण से स्थानीय श्रद्धालुओं में अपार हर्ष और उत्साह का वातावरण देखा गया। श्रद्धालुओं का मानना है कि यह पवित्र धाम केवल पूजा-अर्चना का केंद्र ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए संस्कार, धर्म और संस्कृति की अमूल्य धरोहर सिद्ध होगा। यह स्थल समाज को एक सूत्र में पिरोने वाला सशक्त आध्यात्मिक केंद्र बनेगा।

इस शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में वैदिक रीति से हवन, पूजन एवं विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। वेद मंत्रों की पावन ध्वनि, शंखनाद और हवन की दिव्य अग्नि से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिरस और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। नवरात्रि के पावन पर्व पर मनीष मदन गुप्ता ने अपने परिवार सहित माता रानी एवं भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन सम्पन्न कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और सर्वांगीण कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें भक्तों ने अत्यंत श्रद्धा व भक्ति भाव से सहभाग लिया।

300 जरूरतमंद महिलाओं को किचन सेट भेंटकर सीमा सिंह ने मनाया अपना जन्मदिन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। देश की जानी-मानी समाजसेवी तथा मेघाश्रेय फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह ने कल बांद्रा के ताज लैंडसन होटल में प्रेरणादायक जन्मदिन मनाया। उन्होंने करीब 300 महिलाओं को किचन सेट सामग्री तथा संस्था से जुड़े सैकड़ो बच्चों को शैक्षणिक सामग्री तथा स्पोर्ट्स किट प्रदान किया। यही नहीं उन्होंने अपने जन्मदिन पर जरूरतमंद मरीजों के लिए संस्था की तरफ से फ्री एम्बुलेंस का उद्घाटन भी किया। उनके जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए इस अवसर पर बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता डिनू मारिया तथा विक्रांत मैसी उपस्थित रहे। सीमा सिंह ने कहा कि उनके जन्मदिन मनाने का उद्देश्य महिलाओं को कैंसर तथा अन्य गंभीर बीमारियों से जागरूक करना तथा बच्चों को शिक्षा तथा खेलकूद के प्रति प्रेरित करना है। सीमा सिंह की सराहना करते हुए डिनू मारिया ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में सीमा सिंह द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनीय होने के साथ-साथ प्रेरणादायक हैं। खासकर महिलाओं और बच्चों को जागरूक करने की दिशा में मेघाश्रेय फाउंडेशन रचनात्मक कार्य कर रही है। विक्रांत मैसी ने कहा कि सीमा सिंह के कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज के अन्य सक्षम लोगों को भी महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए। सीमा सिंह ने दोनों अभिनेताओं का संस्था की तरफ से स्वागत सम्मान किया।

मेघाश्रेय फाउंडेशन की तरफ से किया फ्री एंबुलेंस का उद्घाटन

चिचंणी में धूमधाम के साथ मनाया गया श्री राम जन्मोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री राम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर चिचंणी स्थित प्रसिद्ध पेशवे कालीन श्री राम मंदिर में भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित अभिषेक, श्री राम जन्म कीर्तन, भजन, पारणे, पालखी सोहला जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने धार्मिक माहौल बना दिया। पालखी सोहले के संयोजन का कार्य चिचंणी बारी बारिया समाज ने पूर्व वर्षों की तरह इस बार भी शानदार तरीके से किया। श्री राम के प्रति श्रद्धा व आस्था से लबरेज भक्तों ने इस अवसर को शानदार तरीके से मनाया। इस आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन, ग्राम पंचायत प्रशासन व श्री राम मंदिर के विश्वस्तों द्वारा उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्था व संचालन किया गया, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। इस मौके पर मंदिर में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया गया तथा भक्तों ने मिलकर श्री राम के जीवन पर आधारित कीर्तन प्रस्तुत किये। भगवान श्री राम की पालकी की भव्य यात्रा श्री राम मंदिर से नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई गई। इस आयोजन में क्षेत्रीय नागरिकों ने भी भाग लिया और एकजुट होकर इस धार्मिक उत्सव की शोभा बढ़ाई।

क्विक हील फाउंडेशन की साइबर शिक्षा रिपोर्ट जारी

मुंबई। ग्लोबल साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी, क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की सीएसआर शाखा, क्विक हील फाउंडेशन ने आज साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षाः फ्यूचर प्रूफ 2025-26 रिपोर्ट पेश की। यह रिपोर्ट 28 मार्च को पुणे में होने वाले साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा अवॉर्ड्स से ठीक पहले जारी की गई है। इस रिपोर्ट में फाउंडेशन के प्रमुख साइबर जागरूकता कार्यक्रम के पहले बड़े प्रभाव मूल्यांकन के परिणाम बताए गए हैं।

'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' सर्वे में महाराष्ट्र और कर्नाटक के 10.4 लाख छात्रों को शामिल किया गया, जिनसे ट्रेनिंग से पहले और बाद में सवाल पूछे गए थे। इनमें से 2,18,221 छात्रों का एक ठोस सांख्यिकीय नमूना लेकर उनका विस्तृत विश्लेषण किया गया। यह रिपोर्ट इस बात के सबूत पेश करती है कि कैसे सही तरीके से दी गई साइबर ट्रेनिंग अलग-अलग उम्र के छात्रों के ज्ञान, उनके दृष्टिकोण और इंटरनेट उपयोग करने के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि पर आधारित, साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा कार्यक्रम युवा विकास पर केंद्रित है। यह युवाओं में साइबर जागरूकता बढ़ाने, डिजिटल कौशल विकसित करने और ऑनलाइन जिम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करने पर जोर देता है। यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों 4, 5, 8, 9 और 17 के साथ जुड़ी हुई है, जिससे भारत भर के युवाओं में डिजिटल साक्षरता की खाई को कम करने में मदद मिल रही है। समीक्षा अवधि के दौरान, इस कार्यक्रम ने 36 शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर 32 जिलों में 5,169 विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए। क्विक हील फाउंडेशन के व्यापक साइबर सुरक्षा प्रयासों ने पूरे भारत में 80 लाख से अधिक लोगों के जीवन को छुआ है।

'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' सर्वे से पता चलता है कि कार्यक्रम के बाद प्रमुख साइबर सुरक्षा अवधारणाओं पर जागरूकता का स्तर अब 90% के करीब है, जो यह दर्शाता है कि सत्रों में भाग लेने के बाद छात्र सुरक्षित और असुरक्षित डिजिटल प्रथाओं के बीच अंतर करने के लिए काफी बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। जागरूकता का स्तर कक्षा 5-7 के छात्रों में 43% से बढ़कर 89%, कक्षा 8-10 के छात्रों में 49% से बढ़कर 90% और कॉलेज के छात्रों में 43% से बढ़कर 90% हो गया है। 10 में से 8 छात्रों ने सत्रों के बाद सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार अपनाने का स्पष्ट संकल्प व्यक्त किया। शुरूआती व्यवहारिक बदलाव भी देखे गए, जहां संबंधित समूहों में सुरक्षित डिजिटल प्रथाएं 39% से बढ़कर 84%, 39% से बढ़कर 82% और 26% से बढ़कर 89% हो गईं। इसके बाद, प्रतिभागियों के बीच डिजिटल दृढ़ता भी बेहतर हुई, जो संबंधित समूहों में क्रमशः 9% से 86%, 68% से 91% और 73% से 91% तक पहुंच गया। सुश्री अनुपमा काटकर, चेयरपर्सन, क्विक हील फाउंडेशन और चीफ - ऑपरेशनल एक्सीलेंस, क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने कहा, मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है ।

मुंबई में स्किन प्रोटेक्शन के लिए नायक की नई पहल 'सन शील्ड शैक'

मुंबई। जैसे-जैसे गर्मियां आ रही हैं, स्किन प्रोटेक्शन का मुद्दा और भी गंभीर होता जा रहा है। इसी को देखते हुए, नायक ने मुंबई के बांद्रा में कार्टर रोड पर एक नई पहल 'सन शील्ड शैक' शुरू की है। यह पहल, जो 25 से 29 मार्च तक चलेगी, लोगों को सनस्क्रीन के इस्तेमाल के बारे में फ्री में गाइडेंस देगी। बांद्रा में बीच के किनारे मशहूर घूमने की जगह पर बने इस आकर्षक पॉप-अप को 'बीच शैक' की तरह सजाया गया है। इस पहल को इसलिए डिजाइन किया गया है ताकि सुबह जॉगिंग करने वाले, वॉकर और टूरिस्ट आसानी से आकर स्किन प्रोटेक्शन के बारे में जान सकें। इस पहल का मुख्य आकर्षण 'SPF स्कूल' है।

यहां, स्किन टाइप के हिसाब से सही सनस्क्रीन कैसे चुनें और उसका सही तरीके से इस्तेमाल कैसे करें, इस बारे में आसान तरीके से गाइडेंस दी जाती है। लोगों को अलग-अलग प्रोडक्ट्स को आजमाने और उनकी तुलना करने का मौका भी दिया गया है।

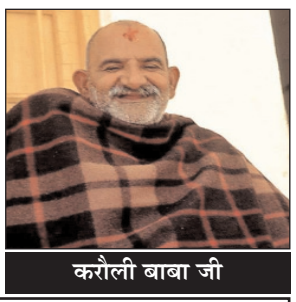

करौली बाबा जी

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मक्का का पौधा तोड़ने के विवाद को लेकर वृद्ध की हत्या

बलिया (उत्तरशक्ति)। जिले में मक्का का पौधा तोड़ने के विवाद को लेकर कस्बा निवासी श्रीराम पांडेय की हत्या का मामला आया है। घर के पास शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर कस्बे में तनाव व्याप्त है। सुरक्षा को लेकर तीन थाने की फोर्स मौके पर मुस्तैद है।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पीआरवी को सूचना मिली कि श्रीराम पांडेय (60 वर्ष) निवासी वार्ड नंबर 02 मृत अवस्था में घर के पास पड़े हुए है। इस सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस मय फोर्स मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला कि श्रीराम अकेले घर पर रहते थे, इनका बेटा गुजरात में रहता है।

पट्टीदार व रिश्तेदारों द्वारा बताया गया कि श्रीराम के ही गांव के भृगुनाथ सिंह, मारकंडे सिंह व ओम प्रकाश सिंह से मक्का तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था, इसी बात को लेकर उन्हें धमकी दी गई थी। मौके पर पुलिस ने तत्काल आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अपर पुलिस अधीक्षक कृपाशंकर, क्षेत्राधिकारी फहीम कुरैसी फोर्स के साथ मौके पर मौजूद हैं।

जौनपुर में भारत प्रेस क्लब की बैठक, पत्रकारों के अधिकारों को लेकर उठी आवाज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए भवन, कटघरा में भारत प्रेस क्लब द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को लेकर व्यापक चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाराणसी मंडल अध्यक्ष इम्तियाज सिद्दीकी ने की। बैठक में बड़ी संख्या में पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बुद्धिजीवियों की उपस्थिति रही।

बैठक को संबोधित करते हुए संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ हैं, जो समाज को जागरूक करने और सत्ता को आईना दिखाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों की स्थिति चिंताजनक है और उन्हें पर्याप्त सुरक्षा व अधिकार नहीं मिल पा रहे हैं।

प्रमुख मांगें: बैठक में पत्रकारों के हित में कई महत्वपूर्ण मांगें रखी

गईं- पत्रकारों के लिए सम्मानजनक वेतन या आजीवन मानदेय, दुर्घटना एवं जीवन बीमा की अनिवार्यता, 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन व्यवस्था, पत्रकारों एवं उनके परिवार के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, बच्चों के लिए उच्च शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध कराना।

आंदोलन की चेतावनी: मोहम्मद अरशद खान ने घोषणा की कि इन मांगों को लेकर देशभर में व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई पत्रकारों के सम्मान और अधिकारों की है, जिसमें हर पत्रकार की भागीदारी जरूरी है।

बैठक में उपस्थित सभी पत्रकारों ने एक स्वर में इन मांगों का समर्थन करते हुए संकल्प लिया कि जब तक उनके अधिकार सुनिश्चित नहीं होते, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

निष्कर्ष: कार्यक्रम के अंत में पत्रकारों से एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार सुरक्षित रहेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा।

खुटहानिया में सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। करम ग्राम पंचायत खुटहानिया में लक्ष्मी गणेश आजीविका महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा सिलाई एवं कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह केंद्र क्लस्टर स्तरीय

◆ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

संघ के सहयोग से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित होगा।

कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह एवं उजागर प्रेरणा स्कूल संघ सरंगा से जुड़ी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्रियंका पाण्डेय (अध्यक्ष), अनीता देवी (सचिव), आराधना मौर्या (कोषाध्यक्ष), गीता देवी, प्रियंका सिंह तथा मधुरिका सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में मिशन प्रबंधक जगदीश कुमार, ई. प्रकाश पाण्डेय (संस्थापक, तेजस्वी संगठन न्यास), पूर्व ग्राम प्रधान कन्हैयालाल, पंचायत मित्र संतोष सिंह, समूह सखी सीता देवी एवं प्रशिक्षण मास्टर बेचू प्रसाद सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के माध्यम से कौशल विकास का अवसर प्रदान करेगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी और अपनी आय में वृद्धि कर सकेंगी। इस दौरान सविता देवी, चिन्ता देवी, सरोज कुमारी, विद्यावती देवी, कौशल्या कुमारी, सरोज देवी, कमलावती देवी, अंजना कुमारी, पूजा कुमारी, निर्मला देवी, जानकी देवी सहित बड़ी संख्या में समूह की सदस्य मौजूद रहीं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने काशी विश्वनाथ धाम में लगाई हाजिरी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने शुक्रवार की सुबह पति श्रीराम नेने के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने कॉरिडोर में भ्रमण कर आलौकिक छटा को निहारा। इस दौरान काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु अभिनेत्री को अपने बीच देखा तो अचंभित रह गए। लोगों में उनकी एक झलक पाने की होड़ लगी रही। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित बृहस्पिवार को काशी में पहुंचीं। उन्होंने नमो घाट पर एमवी निषाद क्रूज से गंगा की आलौकिक छटा को निहारा। नीली बनारसी साड़ी में जब माधुरी क्रूज पर आईं तो घाटों पर उनके चाहने वालों की भीड़ उमड़ गई। क्रूज आगे बढ़कर शाम को दशाश्वमेध घाट पहुंची तो भीड़ के चलते वह घाट पर नहीं पहुंच पाईं और वह क्रूज से ही गंगा आरती देखीं। मां गंगा की पूजा कर दीपदान किया। इस दौरान कपल ने अपनी खींची गई तस्वीरें भी साझा की।

रामनवमी पर जिलाधिकारी ने किया सौहार्द और भाईचारे की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र ने जनपदवासियों को रामनवमी के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि रामनवमी का पर्व मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भगवान श्री राम का जीवन त्याग, तपस्या, मयार्दा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने सदैव सत्य और धर्म के मार्ग का अनुसरण करते हुए माता-पिता एवं गुरुजनों के प्रति गहरी श्रद्धा और आज्ञाकारिता का परिचय दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि भगवान श्री राम के आदर्श हमें समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने की प्रेरणा देते हैं। उनके जीवन से हमें नैतिक मूल्यों और कर्तव्यनिष्ठा को अपनाने की सीख मिलती है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे इस पावन पर्व को शांति, उल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाएं तथा समाज में एकता का संदेश फैलाएं। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने जौनपुर महोत्सव के सफल आयोजन पर सभी नागरिकों, अधिकारियों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विधवा का आरोप बनाम पुलिस का दावा, फसल कटाई को लेकर विवाद तेज

निशानाथ

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के सरवरपुर वार्ड में भूमि विवाद को लेकर तनाव की स्थिति सामने आई है। स्थानीय निवासी विधवा शीला देवी ने कुछ लोगों पर उनकी सरसों की खड़ी फसल जबरन काटने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, उक्त जमीन को लेकर पिछले लगभग 20 वर्षों से न्यायालय में मामला विचाराधीन है। इसके बावजूद आरोपितों ने खेत में पहुंचकर फसल काट ली। विरोध करने पर गाली-गलौज के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। शीला देवी ने पुलिस पर भी निष्क्रियता और मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं, थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उनके अनुसार, बीते वर्ष एसडीएम के आदेश पर राजस्व विभाग की टीम ने संबंधित भूमि पर विपक्षी पक्ष को कब्जा दिलाया था। पुलिस का कहना है कि जिस पक्ष ने फसल बोई थी, उसी ने कटाई की है और इसमें किसी प्रकार की अवैध कार्रवाई नहीं हुई है। फिलहाल, भूमि विवाद न्यायालय में लंबित है और फसल कटाई को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ है। प्रशासन ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है।

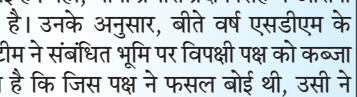

देवी धाम बसौली में भव्य गंगा आरती पर आयोजित भजन संध्या की प्रस्तुति पर झूमे श्रद्धालु

जल, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग का दिया संदेश

सुइथाकला के देवी धाम बसौली में भव्य गंगा आरती का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला क्षेत्र के देवी धाम बसौली में गुरुवार को वाराणसी से पधारे ब्राह्मणों, मुख्य पुजारी पंडित रमेश तिवारी और क्षेत्र वासियों की ओर से भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया जो देर रात तक चला रहा। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा और श्रद्धालु भक्ति भाव में लीन नजर आए।

कार्यक्रम में मशहूर गायक मंतोष पांडेय ने विंध्याचल वाली मैया, बम-बम बोल रहा है काशी सहित कई देवगीत और भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। चर्चित गायिका एकता सिंह ने निमिया की डारि मैया, रहबे तोहरे भवनवा में मैया और गायक हरिओम तिवारी के निमिया की डारि मैया डारेली झुलनवा देवगीत की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुति पर भक्तों के पांव थिरकते रहे और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर मुख्य पुजारी पं. रमेश तिवारी ने वाराणसी से आए विद्वान ब्राह्मणों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गंगा आरती केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि यह हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि गंगा आरती हमें जल के महत्व को समझने और उसके संरक्षण के प्रति जागरूक करती है। जल ही जीवन का आधार है और इसके बिना सृष्टि की कल्पना संभव नहीं है।

पं. तिवारी ने आगे कहा कि सृष्टि का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, वायु और प्रकृति के अन्य तत्वों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। गंगा आरती के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग का संदेश भी मिलता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपनी संस्कृति और प्रकृति दोनों से जुड़ सकें। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने मां के जयकारों के साथ आरती में हिस्सा लिया।

हर पीड़ित पीडीए समाज का सदस्य और समाजवादी पार्टी हर पीड़ित के साथ: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीते दिनों मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम फूलपुर निवासी श्री ललई यादव जी की दबंगों द्वारा पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी।

आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा गठित प्रतिनिधि मंडल ज़िलाध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में शामिल सदस्यों विधायक मल्हनी लकी यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, सदर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष वीरेंद्र यादव मल्हनी विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष निजामुद्दीन अंसारी अध्यक्ष, युवा नेता धीरज बिंद के साथ शोकाकुल परिवारीजनों के बीच पहुंचकर उन्हें समाजवादी पार्टी के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी द्वारा 02 लाख रुपए की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया।

पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए ज़िलाध्यक्ष

राकेश मौर्य, विधायक मल्हनी लकी यादव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने संयुक्त रूप से कहा कि हर पीड़ित के साथ समाजवादी पार्टी तन-मन-धन से साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास कर रही है। उक्त अवसर पर पार्टी के ज़िला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, ज़िला महासचिव आरिफ हबीब, ज़िला सचिव गुलाब यादव रीठी, मनोज कुमार मौर्य, क्षेत्रीय सभासद कृष्णा यादव, अशोक यादव ज़िलाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा, अशोक यादव एसपीओ, प्रिंस यादव सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे। उक्त आशय की सूचना ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने दी है।

जौनपुर महोत्सव 2026 का भव्य समापन, कवि सम्मेलन में गूंजे हास्य-व्यंग्य और गीत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 24 से 26 मार्च तक आयोजित तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का भव्य समापन कल देर सायं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश गिरीश चंद्र यादव द्वारा ऐतिहासिक शाही किला परिसर में दीप प्रज्वलन कर किया गया।

समापन अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में विभिन्न कवियों एवं कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में साड बनारसी, सभाजीत द्विवेदी (प्रखर), कमलेश राजहंस, प्रियांश, गजेन्द्र, अखिलेश द्विवेदी, भुवन मोहिनी, शिवांगी शर्मा, शरीफ भारती, योगेन्द्र, देशराज सिंह, लोकेश, श्लेष गौतम, बिहारी लाल अम्बर, डॉ. आदित्य जैन, अंकित सिंह परमार सहित अन्य कवियों ने हास्य-व्यंग्य एवं गीतों के माध्यम से सभी का भरपूर मनोरंजन किया।

राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने जौनपुर महोत्सव के सफल आयोजन पर आयोजकों, प्रतिभागियों एवं जनपद वासियों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देते हैं।

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं दर्शक उपस्थित रहे।

बक्शा में टायर फटने से पिकअप पलटी, चालक सुरक्षित

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बक्शा थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवगुलामगंज मोड़, एनएच-731 पर गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। टायर फटने से

एम्बुलेंस भी खाई में गिरी, यातायात बाधित

एक पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई। गनीमत रही कि चालक सुरक्षित बच गया। दोपहर करीब 3:40 बजे हुई इस घटना में पिकअप (यूपी 62 एटी 8495) पर जय मां शारदा ट्रेडिंग कंपनी, इस्मैला शिवापार से पशुओं के लिए चूनी-चोकर लदा हुआ था, जो हादसे के बाद सड़क पर बिखर गया। चालक रविंद्र यादव, निवासी इस्मैला कुद्दुपुर (थाना लाइन बाजार), जौनपुर से बदलापुर की ओर जा रहा था।

हादसे का कारण: चलते समय अचानक टायर फटने से वाहन अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से टकराकर पलट गया। एम्बुलेंस भी हुई हादसे का शिकार

हादसे के तुरंत बाद पीछे आ रही एम्बुलेंस (यूपी 32 एफजी 0716) के चालक व कर्मचारियों ने मदद के लिए वाहन रोका। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से एम्बुलेंस हाईवे से नीचे खाई में जा गिरी। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर के जरिए उसे बाहर निकाला गया।

राहत व बचाव कार्य: सूचना

पर पहुंची पुलिस, एम्बुलेंस कर्मियों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पिकअप चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। साथ ही सड़क पर बिखरे चूनी-चोकर को दूसरी गाड़ी में शिफ्ट कर पलटी पिकअप को हटाया गया।

यातायात पर असर: हादसे के कारण एनएच-731 पर करीब आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में सुचारु कर दिया गया। फिलहाल सभी लोग सुरक्षित हैं और कोई जनहानि नहीं हुई है।

'वन गर्ल विद करेज इज अ रेवोल्यूशन' के साथ सिग्नेचर कैंप, महिलाओं को सुरक्षा का संदेश

जौनपुर पुलिस का मिशन शक्ति अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिला सुरक्षा और जागरूकता को लेकर जौनपुर पुलिस का अभियान लगातार

तेजी पकड़ रहा है। इसी क्रम में कोतवाली के बाहर मिशन शक्ति के तहत एक सिग्नेचर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें आमजन ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह ने कहा कि नारी ही जगत जननी है, नारी के बिना समाज की कल्पना करना बेईमानी है। उन्होंने बताया कि One Girl With Courage Is A Revolution जैसे सशक्त नारे के माध्यम से महिलाओं को आत्मविश्वास और सुरक्षा का संदेश दिया जा रहा है। पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनपद में महिलाओं को सुरक्षित माहौल का अहसास कराना है। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता, सहायक पुलिस अधीक्षक श्रृष्टि जैन, प्रभारी कोतवाली विश्वनाथ प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी शकरमंडी कंचन पांडेय, चौकी प्रभारी राज कॉलेज सुनील यादव सहित थाना व महिला पुलिस बल मौजूद रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्षा मनोरमा रामसूरत मौर्य द्वारा सिग्नेचर कर अभियान का शुभारंभ कर की गई। सिग्नेचर कैंप में बड़ी संख्या में आम जनता ने भागीदारी निभाई और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे अभियानों के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

शिक्षक शिक्षा योजना के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), जौनपुर द्वारा शिक्षक शिक्षा योजना के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बयालसी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जलालपुर के समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.अनिल कुमार ने विषय विशेषज्ञ के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के परिप्रेक्ष्य में 'विभिन्न विषयों के शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग' विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अपने संबोधन में डॉ. कुमार ने 'शिक्षा 4.0: 2025 में अकके साथ शिक्षण का भविष्य' विषय पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई तकनीक का सुनियोजित उपयोग शिक्षकों के प्रशासनिक कार्यभार, जैसे लेसन प्लान तैयार करना, मूल्यांकन रूब्रिक बनाना तथा आधिकारिक पत्राचार, को काफी हद तक कम कर सकता है। इससे शिक्षकों के प्रति सप्ताह लगभग 7 से 10 घंटे तक की बचत संभव है, जिसे वे छात्रों के साथ गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संवाद में निवेश कर सकते हैं। डॉ. कुमार ने स्पष्ट किया कि एआई शिक्षक का विकल्प नहीं है, बल्कि एक 'एक्सोस्केलेटन' की तरह कार्य करता है, जो प्रशासनिक थकान को कम कर शिक्षक को एक 'स्ट्रेटेजिक मेंटर' के रूप में विकसित होने में सहायता करता है। प्रशिक्षण

के दौरान उन्होंने अउउद्ध फ्रेमवर्क (Act- भूमिका, Context- संदर्भ, Depth- गहराई, Questions- प्रश्न) की उपयोगिता पर भी विस्तार से चर्चा की, जो शिक्षकों को अधिक संरचित एवं प्रभावी पाठ योजना तैयार करने में मदद करता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि एआई के माध्यम से दृश्य, वीडियो और ऑडियो आधारित मल्टीमीडिया सामग्री का निर्माण अब अत्यंत कम समय में संभव हो गया है। डॉ. कुमार ने व्यक्तिगत शिक्षा (Personalized Education) की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि एआई प्रत्येक छात्र की सीखने की गति और आवश्यकता के अनुसार शिक्षण को अनुकूलित कर सकता है, जो पारंपरिक प्रणाली में चुनौतीपूर्ण रहा है। हालांकि, उन्होंने शिक्षकों को सावधान करते हुए कहा कि एआई का उपयोग सहयोगी उपकरण के रूप में किया जाना चाहिए, न कि उस पर पूर्ण निर्भरता विकसित की जाए, ताकि छात्रों में आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता बनी रहे।

इस अवसर पर उप शिक्षा निदेशक (डायट-जौनपुर) ने अपने संदेश में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों को अपनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने डॉ. अनिल कुमार के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को समयानुकूल दक्षता प्रदान करते हैं और शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देते हैं। प्राचार्य ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि एआई आधारित शिक्षण पद्धतियां भविष्य में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं छात्र-केंद्रित बनाएंगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डाइट के ऑडिटोरियम हॉल में प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. कुमार के साथ अन्य विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए। डॉ. अनिल कुमार वर्तमान में बयालसी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जलालपुर में समाजशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं और शिक्षा में नवीन तकनीकों के समावेश हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

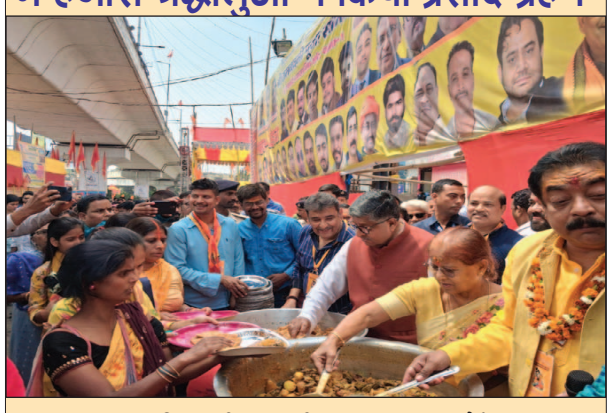

न्यू मार्केट व्यवसायिक संघ के महाभंडारा में हजारों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

पटना(उत्तरशक्ति)। श्री रामनवमी पूजा समिति, न्यू मार्केट व्यवसायिक संघ द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के पावन अवसर पर भव्य महाभंडारा का आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने पूरी, सब्जी, बुनिया सहित अन्य प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने श्रद्धा व भक्ति के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, सांसद रविशंकर प्रसाद, दीघा विधायक संजीव चौरसिया, कुम्हरार विधायक संजय गुप्ता, पटना की मेयर सीता साहू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और आयोजन की सराहना की। न्यू मार्केट व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष अरुण रस्तोगी ने बताया कि पिछले 42 वर्षों से लगातार इस महाभंडारा का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष इसे और बेहतर एवं व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया जाता है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। संघ के सचिव संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर में इस वर्ष भी लाखों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। भक्तों की सुविधा के लिए महिला एवं पुरुषों की अलग-अलग पंक्तियों की सुचारु एवं अनुशासित व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही बिजली, पंखा, पर्याप्त रोशनी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

संघ के उपाध्यक्ष गोपाल जायसवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल, शरबत, शीतल पेय, प्राथमिक उपचार सुविधा तथा खोया-पाया सहायता केंद्र की भी व्यवस्था की गई थी जिससे लोगों को काफी राहत मिली। संघ के कोषाध्यक्ष बैजनाथ अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थापक सदस्य प्रदीप गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक रणवीर जैन, सदस्य सुमन सिकदर, राजकुमार जायसवाल, अंकित मेहरा, शशांक प्रसाद, सचिन, रितेश सिंघल, विजय शर्मा एवं महेश बहरूस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

युवती को भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के सलोनी महिमापुर गांव की एक 24 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में युवती के भाई की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। ग्राम सलोनी महिमापुर निवासी अंकित यादव पुत्र विरेन्द्र यादव ने थाने में लिखित सूचना दी कि उनकी बहन वंदना 26 मार्च 2026 की रात करीब 2 बजे शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। छानबीन के दौरान पता चला कि थाना सरायख्वाजा के जमीन पकड़ी गांव निवासी चन्द्रकेश प्रजापति पुत्र रामफेर प्रजापति उसकी बहन को भगा ले गया है। पीड़िता का मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में आरोपी चन्द्रकेश प्रजापति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस युवती की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

भारत चिल्ड्रन एकेडमी प्री प्राइमरी स्कूल , जहां नन्हे सपनों को मिलेगी ऊंची उड़ान

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। आम आदमी के जीवन में बुनियादी परिवर्तन करने वाली सामाजिक संस्था एक्सेस फॉर चेंज इनिशिएटिव फाउंडेशन ने शिक्षा के क्षेत्र में कदम बढ़ाया है। संस्था द्वारा आज प्रतापगढ़ जनपद के दयालगंज (सिंहपुर) बाजार में भारत चिल्ड्रन एकेडमी प्री प्राइमरी स्कूल का शुभारंभ किया गया। स्कूल का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह (मोती सिंह) के मीडिया प्रभारी विनोद पांडे ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संतोष कुमार सिंह पिंटू सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे उपस्थित रहे। विनोद पांडे ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो आपसी भेदभाव को मिटाकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल का यह स्कूल आने वाले दिनों में एक मॉडल स्कूल के रूप में देखा जाएगा, जहां पढ़ने वाले बच्चे क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। स्कूल के संचालक इलाहाबाद हाई कोर्ट के अधिवक्ता एड.भारत पांडे ने बताया कि यह स्कूल सीबीएसई पाठ्यक्रम पद्धति पर आधारित तथा नई शिक्षा नीति 2020 एवं एनसीपी के अनुरूप संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य नन्हे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक संस्कार रचनात्मकता एवं आनंदमय वातावरण प्रदान करना है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में पूर्व प्रधान दिनेश पांडे, विपिन पांडे,शारदा प्रसाद द्विवेदी प्रधान, जय प्रकाश सिंह प्रधान, एड. विनोद सिंह, राजबहादुर वर्मा, राजनाथ वर्मा, हरिकेश वर्मा, त्रिवेणी प्रसाद पांडेय, भागवत तिवारी, रमाशंकर पांडेय, सालिक पांडेय, कृष्णचंद्र तिवारी,उदयभान सिंह प्रधान, सत्यप्रकाश यादव , रामप्रसाद प्रधान, रामप्यारे प्रधान, चंद्रभान, जगदम्बा सिंह प्रधान, संदीप ओझा पत्रकार, जितेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या यादव, संतोषी पूर्व बी डी सी शिक्षिका मिस रश्मि पांडेय, खुशबू पांडेय,सुरेश पांडेय, दया शंकर दुबे, अवनीश पांडेय, इंद्रमणि तिवारी, गणेश मिश्रा, हृदय पांडेय, विनोद पांडेय, मोहित पाठक, सतीश तिवारी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। अंत में एडवोकेट भारत पांडे समस्त लोगों के प्रति आभार पूर्वक धन्यवाद ज्ञापित किया।

फर्जी मार्कशीट और सर्टिफिकेट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने फर्जी मार्कशीट और सर्टिफिकेट बनाने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बुधवार को थाना बरदह क्षेत्र के ग्राम सुहौली में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शशि प्रकाश राय उर्फ राजन शर्मा उर्फ शनि और मनीष कुमार राय के रूप में हुई है। दोनों आजमगढ़ के निवासी हैं। एसटीएफ की पूछताछ में मुख्य आरोपी शशि प्रकाश राय ने बताया कि वह दिल्ली से बीएससी कर चुका है और पिछले कई वर्षों से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था। उसने अपने ममेरे भाई मनीष के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बना रखा था। गिरोह सोशल मीडिया और फर्जी वेबसाइट्स के जरिए ग्राहकों से संपर्क करता था। खास बात यह थी कि इन्होंने असली वेबसाइट जैसी दिखने वाली नकली वेबसाइट बनाकर उस पर फर्जी मार्कशीट का ऑनलाइन रिजल्ट भी अपलोड कर रखा था, जिससे दस्तावेज पूरी तरह असली प्रतीत होते थे। आरोपियों ने अब तक 6 से 7 हजार से अधिक फर्जी दस्तावेज तैयार करने की बात कबूली है। यह प्रति दस्तावेज 15 से 20 हजार रुपये वसूलते थे और दस्तावेज कूरियर के जरिए भेजते थे। कई लोगों ने इन फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी भी हासिल कर ली।

नवमी पर पूजा-अर्चना के बाद कन्याओं को लगाया भोग

मवाना। नवरात्र के नौवें दिन शुक्रवार की सुबह नवमी मनाई गई। पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में भीड़ रही और चहुंओर माता के जयकारों की गूंज रही। घरों में कन्याओं को श्रद्धाभाव से भोजन कराया गया और उपहार भेंट किए। नवरात्र में प्रतिदिन शक्ति के अलग-अलग स्वरूप की पूजा की गई। कुछ श्रद्धालुओं ने सभी दिन व्रत रखे तो किसी ने पहला और आखिरी व्रत रखा। बुधवार को नवमी पर मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां महागौरी की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही कन्याओं का पूजन कर भोजन कराया। मंदिरों के साथ मोहल्लों में भी महिला कीर्तन मंडली ने भजनों से मां का गुणगान किया।

युवा बजरंग दल रामनवमी शोभायात्रा समिति के कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

नगरवासियों के लिये आकर्षण की केन्द्र रही झांकियां एवं श्रीराम की पालकी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवा बजरंग दल रामनवमी शोभायात्रा समिति द्वारा पिछले 4 दशक की परम्परा को इस बार भी कायम रखा गया। इस समिति के नेतृत्व में यमदग्नि ऋषि की तपोभूमि पर चैत्र नवरात्रि के नवमी के दिन विशालकाय शोभायात्रा निकालकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

इसी को लेकर शुक्रवार को चैत्र रामनवमी पर नगर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा में हाथी, घोड़ा, बैण्ड–बाजा के साथ आकर्षक झांकियां शामिल रहीं जहां भगवान श्रीराम की पालकी तो आकर्षण की केन्द्र रही। श्रीराम के जयघोष से पूरा परिवेश गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा के मद्देनजर तमाम हिन्दू संगठनों द्वारा नगर में जगह-जगह तोरण द्वार बनाये गये थे। भगवा ध्वज आदि के माध्यम से शहर को सजाया गया था। श्रद्धालुगण अपने आराध्य देव की जय-जयकार के साथ पुष्प वर्षा करके रहे थे।

विभिन्न स्थानों पर श्री रामलला की आगवानी करके आरती उतारी गयी। भगवान श्रीराम के दर्शन-पूजन के लिये सड़कों के किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

इसके पहले शोभायात्रा अहियापुर मोड़ पर स्थित रामजानकी मंदिर से निकली जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा नारियल फोड़ने के साथ ही हरी झण्डी दिखाकर किया गया। शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्ग सब्जी मण्डी, कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, शाही पुल होते हुये ओलन्दगंज के कजगांव पड़ाव पहुंची। यहां बनाये गये भव्य मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की आरती उतारी गयी। शोभायात्रा के मुख्य मार्ग पर नगर की प्रमुख समिति द्वारा स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। वहीं कोतवाली चौराहे पर बनाये गये कण्ट्रोल रूम से पूरे शोभायात्रा का प्रसारण किया जा रहा था। शोभायात्रा का संचालन बोल बम कांवरिया संघ के पदाधिकारियों की देख–रेख में हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ पदाधिकारी सुभाष गर्ग, श्रवण चौरसिया, विनोद केसरवानी, मुना लाल सेठ, जिलाजीत सेठ, राजकुमार, गौतम सोनी, सुधीर साहू बंम, विजय गुप्ता, अविनाश गुप्ता, मानिक चन्द सेठ, शिवम अग्रहरि, प्रशान्त जायसवाल, महेन्द्र सोनकर, सुधीर जायसवाल, शिव प्रसाद बिन्द, भानु जायसवाल, वैभव कसौधन, उमेश गुप्ता, बबलू मिश्रा, संजय मोदनवाल, आशीष बोस, संजय गुप्ता, संतोष सेठ, अजय सेठ, राजा अग्रहरि, सत्यम प्रजापति, अभिषेक अग्रहरि, वैभव वर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा। इसके मौके पर आये लोगों का स्वागत आयोजन समिति के अध्यक्ष रंजीत अग्रहरि ने किया। वहीं महासचिव संजीव चौरसिया ने समस्त आगंतुकों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दो ट्रकों की टक्कर में तीन की मौत

आजमगढ़। बांदा जिले के झांसी-मिजार्पुर नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में आजमगढ़ जिले के एक ट्रक चालक समेत तीन की मौत हो गई। हादसा मटौध थाना क्षेत्र के खैराडा रेलवे क्रॉसिंग के पास बृहस्पतिवार की रात को हुआ, जहां दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इस घटना में आजमगढ़ के अहरौला थाना क्षेत्र का रहने वाला ट्रक चालक शामिल है।

जानकारी के अनुसार, अहरौला थाना क्षेत्र के पारा गांव निवासी सूर्यभान राम (50) बीते कई वर्षों से ट्रक चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। वह बुधवार की रात अपने खलासी के साथ गिट्टी लोड करने के लिए पेडूरी जा रहे थे। इसी दौरान बृहस्पतिवार की रात में सामने से आ रहे गिट्टी लदे एक अन्य ट्रक से उनकी गाड़ी की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों में तुरंत आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों ट्रकों के चालक और खलासी वाहन में ही फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। इस दर्दनाक हादसे में दोनों ट्रकों के चालकों व खलासी की जिंदा जलकर मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार की सुबह जब सूर्यभान राम का शव उनके पैतृक गांव पारा पहुंचा, तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि मृतक अपने पीछे तीन पुत्र और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियां तेज, अधिकारियों को तीन दिन में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला जनगणना समन्वय समिति की तृतीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने की। बैठक के दौरान सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि हाउसलिस्टिंग ब्लॉक क्रिएशन पोर्टल पर डिजिटल माध्यम से मकानसूचीकरण ब्लॉकों के गठन का कार्य तथा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की ड्यूटी निर्धारित करने की प्रक्रिया अगले तीन दिनों के भीतर हर हाल में पूर्ण कर ली जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना कार्य के लिए जिले में 10,000 से अधिक गणनाकर्मियों की नियुक्ति की जाएगी, जिनका प्रशिक्षण अप्रैल माह में कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि प्रदेश शासन द्वारा स्व-गणना के लिए 07 से 21 मई 2026 तथा मकानसूचीकरण के लिए 22 मई से 20 जून 2026 की तिथियां निर्धारित की गई हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) परमानंद झा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. अरुण यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय चौहान महासंघ ने भरी एक और ऐतिहासिक उड़ान भरूच में पांचवें भूखंड की सफल

भरूच, गुजरात। राष्ट्रीय चौहान महासंघ के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि संगठन ने निरंतर प्रगति करते हुए गुजरात के भरूच में अपने पांचवें भूखंड की सफलतापूर्वक खरीद कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि संगठन की एकता, समर्पण एवं सामाजिक सशक्तिकरण के संकल्प का प्रतीक है। इस पुनीत कार्य के लिए सर्वप्रथम भूखंड प्रदान करने वाले छोटेलाल चौहान एवं सभी सम्मानित भूखंड-दाताओं का राष्ट्रीय चौहान महासंघ हृदय से साधुवाद एवं आभार व्यक्त करता है। महासंघ के इस सराहनीय प्रयास से अब कुल पांच भूखंड संगठन की संपत्ति के रूप में दर्ज हो चुके हैं, जो संगठन की निरंतर प्रगति एवं मजबूत होती संरचना का परिचायक है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों एवं दानदाताओं का महासंघ विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित करता है। साथ ही, इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं गुजरात प्रदेश के समस्त पदाधिकारियों के प्रति भी संगठन गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रामसिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अच्छेलाल चौहान,

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रमेश चौहान, राष्ट्रीय महासचिव गोविन्द चौहान, राष्ट्रीय प्रवक्ता शैलेश चौहान, पूर्व महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष छोटेलाल चौहान, पूर्व गुजरात प्रदेश अध्यक्ष लल्लन चौहान सहित भरूच जिला अध्यक्ष ब्यास मुनी चौहान, महासचिव जीतेन्द्र चौहान, कोषाध्यक्ष रामनारायण चौहान एवं अन्य सम्मानित सदस्यगण कमला प्रसाद चौहान, परमहंस चौहान, जयराम चौहान, महेंद्र चौहान, मनोहर चौहान, पारसनाथ चौहान एवं अलगू चौहान उपस्थित रहे। राष्ट्रीय चौहान महासंघ भविष्य में भी इसी प्रकार समाज के उत्थान एवं संगठन के विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगा।

जय श्रीराम, उद्घोष के बीच हिन्दू एकता शोभायात्रा ने जगाई संगठन की चेतना

सुरेश गांधी

वाराणसी। रामनवमी के पावन अवसर पर हिन्दू जनजागृति समिति के तत्वावधान में भव्य हिन्दू एकता शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा न केवल धार्मिक उल्लास का प्रतीक बनी, बल्कि हिन्दू समाज को एकजुट करने का सशक्त संदेश भी देती नजर आई। शोभायात्रा का आरंभ धर्मध्वज पूजन और शंखनाद के साथ हुआ। जैसे ही यात्रा आगे बढ़ी, श्रीराम जय राम जय जय राम के अखंड नामजप और ह्यएक ही नारा, एक ही नाम, जय श्रीराम जैसे घोषों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

श्रद्धालुओं का उत्साह इस कदर था कि मार्ग के दोनों ओर खड़े लोगों ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर पुष्पवर्षा कर अपनी आस्था प्रकट की। यह शोभायात्रा मैदागिन चौराहे से प्रारंभ होकर नीचीबाग, चौक, बांसफाटक और दशाश्वमेध चौराहे से गुजरते हुए विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर चितरंजन पार्क में संपन्न हुई। काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट संख्या 4 पर श्रीराम द्वारा रचित शिव स्तुति के पाठ ने पूरे वातावरण को भक्तिरस में डुबो दिया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों का व्यापक प्रतिनिधित्व देखने को मिला। व्यापार, उद्योग, सामाजिक और धार्मिक संगठनों से जुड़े अनेक गणमान्य लोग इसमें शामिल हुए। वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण को 500 वर्षों के संघर्ष का प्रतीक बताते हुए इसे हिन्दू समाज की ऐतिहासिक विजय बताया। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म ह्यवसुधैव कुटुंबकम्ह्न का संदेश देता है, जो सम्पूर्ण विश्व के कल्याण की भावना से ओतप्रोत है।

उन्होंने आह्वान किया कि जिस प्रकार रामसेतु निर्माण में गिलहरी ने भी अपना योगदान दिया था, उसी प्रकार प्रत्येक रामभक्त को प्रतिदिन श्रीराम जय राम जय जय राम का नामजप करना चाहिए और राष्ट्र व धर्मकार्य के लिए समय देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में संतों एवं विभिन्न हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से प्रभु श्रीराम के चरणों में प्रार्थना कर भारत में रामराज्य की स्थापना के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। शोभायात्रा ने यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया कि धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक संगठन ही किसी भी बड़े लक्ष्य की प्राप्ति का आधार बन सकता है। समापन हिन्दू जनजागृति समिति के धर्मप्रचारक सद्गुरु नीलेश सिंगबाळजी ने की. कविन्द्र जायसवाल, रवि झुनझुनवाला, अनिल भाई शास्त्री, रविशंकर सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी,एक युवक की मौत

वाराणसी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लालपुर से तख्खू के बउली जाने वाले मार्ग पर एक तीव्र मोड़ के पास ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और ट्रॉली समेत गड्ढे में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकाला। देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। हादसे में झारखंड के रांची जिले के बेंदी (थाना लातेहार) निवासी 23 वर्षीय रिंकू लोहारा की मौत हो गई। वह अर्जुनपुर (कपसेठी) स्थित एक ईंट-भट्ठे पर काम करता था और रामनवमी के अवसर पर अपने परिजनों के साथ दर्शन करने गया था। हादसे में वीरेंद्र कुमार ओरांव (33), विनोद (35), मंगल (35), उनकी पत्नी मंजू (30), बेटी प्रियांशु (7), संदीप (29), रिंकी (20), शीला (19), रेशमी (16), शिवोध (45), ब्रह्मदेव (48), प्रदीप (32) और बल्ली (28) समेत कई लोग घायल हो गए। सूचना पर मिजार्मुराद थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय और उपनिरीक्षक मधुसूदन त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को वाराणसी के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने रिंकू को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। रिंकू तीन बहनों का इकलौता भाई था और परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत से मां सीता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, रिंकू की तीन वर्षीय बच्ची के सिर से पिता का साया उठ गया, जिससे पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

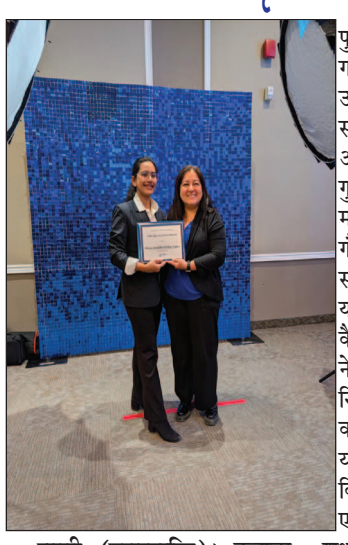

कनाडा विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर डॉक्टर दिव्या अवधेश यादव को किया सम्मानित

वापी (उत्तरशक्ति)। कनाडा विश्वविद्यालय में फिजियोथैरेपी विषय में मास्टर डिग्री में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने के शुभ अवसर पर डॉक्टर दिव्या अवधेश यादव को कनाडा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्हें अवार्ड के साथ-साथ आकर्षक पुरस्कार देकर प्रोत्साहित भी किया गया। डॉ. दिव्या यादव की इस उपलब्धि से उनके परिवार एवं गांव सराय भादी-भदिया, खरिहानी, आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) तथा गुजरात के वापी क्षेत्र में खुशी का माहौल बना हुआ है। उनके इस गौरवपूर्ण सफलता पर समाज के सभी वर्गों में हर्ष व्याप्त है।उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्र धारी यादव (बड़े पापा) ने कहा कि मेरी बिटिया रानी ने न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारत का नाम रोशन किया है, साथ ही पूरे यदुवंशी समाज को गौरवान्वित किया है। मैं उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं। भगवान योगेश श्रीकृष्ण से प्रार्थना है कि वे अपने जीवन में निरंतर प्रगति करें। इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ के अनेक पदाधिकारियों ने भी डॉ. दिव्या अवधेश यादव को शुभकामनाएं प्रेषित कीं, जिनमें प्रमुख रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव, राष्ट्रीय महासचिव विजय लाल यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता दयाशंकर यादव, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अभय राज यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार यादव एवं राज बहादुर यादव, राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र जगदेव यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश यादव (हाई कोर्ट एडवोकेट),

शिद्धसेन शिवाजी यादव, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष हरिराम यादव, महासचिव प्रदीप यादव, कोषाध्यक्ष अरुण यादव, वलसाड जिला कोषाध्यक्ष किशन यादव, उपाध्यक्ष पारस यादव, नंदलाल यादव, ज्ञानेंद्र सिंह यादव, संजय यादव, लालजी यादव, उमरगांव विधान मंडल के सुभाष यादव तथा अन्य पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. दिव्या अवधेश यादव की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सिद्ध करती है कि कठिन परिश्रम एवं लगन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

पेटीएम ने बिहार इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ साझेदारी की

पटना (उत्तरशक्ति)। भारत की अग्रणी मर्चेंट पेमेंट्स और वित्तीय सेवाओं की वितरण कंपनी पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड), जो एमएसएमइ और बड़े उद्यमों को सेवाएं प्रदान करती है, तथा मोबाइल पेमेंट्स, क्यूआर कोड और साउंडबॉक्स की अग्रणी कंपनी, ने समृद्ध बिहार कॉन्क्लेव 2026 के दौरान बिहार इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ एक लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह लेटर ऑफ इंटेंट, बिहार इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से जनरल सेक्रेटरी अमरेश मिश्रा और पेटीएम की पब्लिक सेक्टर बिजनेस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अभय शर्मा द्वारा, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री एवं बिहार इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक चिराग पासवान की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी के तहत,

पेटीएम और बिहार इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन मिलकर बिहार में मोबाइल भुगतान इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार को तेजी से आगे बढ़ाएंगे। इस पहल के माध्यम से छोटे व्यवसायों, रिटेलर्स और उद्यमों को पेटीएम के क्यूआर कोड, साउंडबॉक्स डिवाइस और कार्ड मशीनों के जरिए आसान और निर्बाध भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाया जाएगा। बिहार इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के प्रवक्ता ने कहा, छोटे व्यवसाय बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और उनके विकास के लिए उन्हें सही उपकरण उपलब्ध कराना बेहद महत्वपूर्ण है। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, हम बिहार के व्यापारिक इकोसिस्टम को सशक्त बनाने में बिहार इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की नेतृत्व भूमिका की सराहना करते हैं।

ओबरा थानाध्यक्ष सदानंद राय की त्वरित कार्रवाई, दुष्कर्म के आरोपी को 6 घंटे में गिरफ्तार

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन मे जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना ओबरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म से संबंधित प्रकरण में वांछित आरोपी को मात्र 6 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। थाना ओबरा पुलिस टीम ने मु0अ0सं0-58/2026, धारा 333, 64(1), 115(2), 351(3), 127 (2) बीएनएस से संबंधित आरोपी राधेश्याम पुत्र तुलसीदास उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी ग्राम बिल्ली मारकुण्डी टोला खैरटिया थाना ओबरा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर 27 मार्च 2026 को सुबह 06:05 बजे सेक्टर-09 चौराहा ओबरा के पास से आरोपी को दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सदानन्द राय एवं कांस्टेबल प्रवीण राय शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मनोर और विक्रमगढ़ से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 160ए का पुनः सर्वे करने की मांग

पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर जिले से जुड़े दो महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया। इनमें नेशनल हाईवे 160ए के पुनः अलाइनमेंट (री-सर्वे) की मांग तथा पालघर बॉर्डर क्षेत्र में ऑटो-रिक्शा चालकों को हो रही तकनीकी समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।

हाईवे 160ए: मनोर और विक्रमगढ़ में विस्थापन का खतरा

सांसद डॉ. सावरा ने हाईवे चौड़ीकरण को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान प्रस्तावित योजना के अनुसार यह मार्ग मनोर और विक्रमगढ़ जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजर रहा है। इससे अनेक आवासीय मकान, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, सामाजिक ढांचे तथा सार्वजनिक सुविधाएं प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने मांग की कि स्थानीय नागरिकों को बेघर होने से बचाने हेतु हाईवे के वर्तमान अलाइनमेंट में बदलाव किया जाए तथा बस्तियों के बाहर से वैकल्पिक मार्ग (डायवर्जन) विकसित किया जाए। इससे न केवल स्थानीय आबादी सुरक्षित रहेगी, बल्कि ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों को बेहतर संपर्क सुविधा भी प्राप्त होगी और परियोजना बिना सामाजिक बाधाओं के पूर्ण हो सकेगी।

रिक्शा चालकों को डिजिटल टैक्स भुगतान में दिक्कतें

एक अन्य मुद्दे पर सांसद ने तलासरी और दहानू तालुका के ऑटो-रिक्शा चालकों की समस्याओं को उठाया। पालघर का यह क्षेत्र दमन, दादरा एवं नगर हवेली तथा सिलवासा से जुड़ा हुआ है, जहां दैनिक आवागमन के लिए बड़ी संख्या में लोग रिक्शा सेवाओं पर निर्भर हैं। उन्होंने बताया कि व्हीकल पोर्टल पर ऑटो-रिक्शा श्रेणी के लिए टैक्स भुगतान का विकल्प उपलब्ध नहीं होने के कारण चालक ऑनलाइन टैक्स जमा नहीं कर पा रहे हैं। साथ ही, बॉर्डर चेक पोस्ट पर मैनुअल टैक्स संग्रह व्यवस्था बंद होने से उन्हें अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि जब तक ऑनलाइन प्रणाली पूरी तरह से सुचारू नहीं हो जाती, तब तक चेक पोस्ट पर अस्थायी रूप से मैनुअल टैक्स संग्रह व्यवस्था पुनः शुरू की जाए और डिजिटल पोर्टल में मौजूद तकनीकी त्रुटियों को शीघ्र दूर किया जाए। डॉ. सावरा ने इन दोनों महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील करते हुए पालघर के नागरिकों और वाहन चालकों को राहत प्रदान करने का अनुरोध किया है।

स्नेहा दुबे पंडित ने साईं बाबा मंदिर में श्रीराम नवमी पर सुंदरकांड में दर्शन किए

वसई। साईं बाबा मंदिर, भाभोला, स्टेला, वसई वेस्ट में, श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर मोरेश्वर बाबूराव जाधव चैरिटेबल ट्रस्ट और संकल्प सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष कल्पेश पांडे द्वारा आयोजित श्री सुंदरकांड पाठ, भक्ति राम भजन और दिव्य आरती का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर स्नेहा दुबे पंडित ने भगवान श्रीराम के चरणों में प्रार्थना करते हुए इस आध्यात्मिक और भक्ति-पूर्ण माहौल का अनुभव किया। कार्यक्रम में नवीनजी दुबे, नवनीत दुबे, आयोजक कल्पेश पांडे, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, नगरसेविका श्रीमती निम्मी निपुण दोशी, नगरसेविका श्रीमती अपर्णा पाटिल, विकास सिंह, अंशुमान ठाकुर, प्रवेश दुबे, नितिन पाठक, श्रीमती शीतल सोनी, छोटू आनंद, निपुण दोषी, हरीश बेदी, जितेंद्र पांडे, गणेश साठे सहित बड़ी संख्या में भक्त, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि इस अवसर पर सभी भक्तों के साथ यह आनंदमय अनुभव साझा करना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने सभी के जीवन में भगवान श्रीराम की कृपा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

सम्राट अशोक महान के आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत: संजय सिंह

*** धूमधाम से मनाई गई सम्राट अशोक महान की जयंती, निकली भव्य रैली**

*** मुख्य अतिथि समाजसेवी संजय सिंह ने दिखाई हरी झंडी, राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड के ग्राम सभा समोधपुर में शुक्रवार को सम्राट अशोक महान की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भव्य रैली निकालकर सामाजिक एकता और जागरूकता का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रधान प्रतिनिधि समोधपुर संजय सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली समोधपुर मौर्य बस्ती से प्रारंभ होकर कशियापुर, पानबाबा, परशुरामपुर, बांगरकला चौराहा, पट्टीनरेंद्रपुर, बसौली, भेला, शाहमाऊ, ऊंचगांव और जमौली होते हुए पुनः समोधपुर पहुंचकर संपन्न हुई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी संजय सिंह ने कहा कि सम्राट अशोक महान का जीवन हमें अहिंसा, न्याय और मानवता का मार्ग दिखाता है। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास से जुड़ने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. नारायण मौर्य और शिवशंकर मौर्य ने कहा कि सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल में धर्म, शांति और जनकल्याण को सर्वोपरि रखा। हमें उनके विचारों को अपनाकर समाज में सद्भाव और एकता को मजबूत करना चाहिए। रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लेकर सम्राट अशोक के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान देव प्रकाश सिंह, जितेंद्र प्रताप सिंह (पूर्व प्रधान), राजबहादुर सिंह, राजेश सिंह, राम रतन मौर्य, शोभनाथ मौर्य (बीडीसी), मुन्नी लाल मौर्य, आलोक सिंह, सुरेश कुमार कनौजिया, मनोज मौर्य, मनीष मौर्य, लल्लन मौर्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुफ्तीगंज बाजार से 4 आरोपी गिरफ्तार, कई धाराओं में केस दर्ज

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र की पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार सुबह मुफ्तीगंज बाजार से आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्तों में मुस्तफा उर्फ साधु (45), रियाज अहमद (43), सोहराब (45) और भीम सोनकर (34) शामिल हैं। सभी आरोपी थाना केराकत क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि सभी के खिलाफ मु0अ0सं0 120/26 के तहत धारा 191(2), 192, 195(1), 352, 115(2), 121(1), 132, 109(1) बीएनएस व 7 सीएलए एक्ट में मामला दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक रोहित राज यादव और कांस्टेबल सुग्रीव प्रसाद शामिल रहे।

नाबालिग किशोरी को भगा ले जाने के आरोपित पर केस दर्ज

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। स्वजनों के द्वारा काफी तलाश के बाद भी किशोरी का पता नहीं चलने पर आखिरकार थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है। गायब किशोरी की मां के द्वारा थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि गत 17 मार्च वह किसी काम से बाजार गई थी। इसी बीच मौका पाकर डिहियां गांव निवासी मंगल उर्फ मंगरू मेरी 17 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। घटना के बाद आरोपी के मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह फोन नहीं उठा रहा है।

पालघर ग्रंथोत्सव कार्यक्रम आयोजित

वसई-विरार। वसई-विरार महानगर पालिका की नगरसेविका श्रीमती अपर्णा पाटिल ने मानिकपुर, वसई वेस्ट स्थित मनोहर वाचनालय में समाज उन्नति मंडल द्वारा आयोजित भव्य पालघर ग्रंथोत्सव कार्यक्रम में सहभाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर वसई विधानसभा की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित एवं विवेकभाऊ पंडित विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से समाज में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई। ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायी रहा। इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उत्तरशक्ति खबरों का दिखा असर: अवैध निर्माण का खुलासा, जल्द ध्वस्तीकरण की तैयारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सद्भावना पुल रोड स्थित पुरातत्व विभाग के संरक्षित क्षेत्र में चल रहे अवैध निर्माण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। उत्तरशक्ति न्यूज की लगातार खबरों के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह ने मौके पर पहुंचकर हरे पर्दे को हटवाया। पर्दा हटते ही अंदर कई अवैध दुकानें खड़ी मिलीं, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो गया। बताया जा रहा है कि पूर्व में प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य रुकवाया गया था, बावजूद इसके निर्माणकताओं ने पर्दे की आड़ में तेजी से काम पूरा कर लिया। सिटी मजिस्ट्रेट की सख्ती के बाद अब इस मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। यह क्षेत्र भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीन संरक्षित है। मामले की शिकायत एएसआई वाराणसी सर्किल सहित उच्च अधिकारियों तक पहुंचा दी गई है। सूत्रों के अनुसार अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई जल्द की जाएगी। इस प्रकरण में शिराज-ए-हिन्द की सक्रिय और जनहितकारी पत्रकारिता की सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मीडिया इस मुद्दे को प्रमुखता से न उठाता, तो अवैध निर्माण छिपा रह जाता। वहीं सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह की तत्परता और निष्पक्ष कार्रवाई की भी लोगों ने प्रशंसा की है। अब सभी की नजरें पुरातत्व विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं कि कब तक इस क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

नर्सिंग छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी जिम ट्रेनर गिरफ्तार, प्रोटीन में नशीला पदार्थ मिलाकर रेप का आरोप

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र में एक जिम ट्रेनर ने छात्रा को प्रोटीन में नशीला पदार्थ मिलाकर कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़िता बीएससी (नर्सिंग) की छात्रा है। पीड़िता (21) की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि बुधवार को पीड़िता ने थाना बिहारीगढ पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि वह थाना क्षेत्र स्थित एक जिम पर जाती है, जहां उसकी पहचान जिम ट्रेनर शहजाद (निवासी बड़ी मस्जिद देहरादून रोड थाना गागलहेडी) से हुई थी। जैन ने बताया कि युवती का आरोप है कि शहजाद ने उसे विश्वास में लेकर देहरादून ले जाकर प्रोटीन में नशीला पदार्थ मिलाकर दे दिया, जिससे वह बेहोश हो गई और कार में उससे दुष्कर्म किया। उन्होंने कहा कि पीड़िता का आरोप है कि शहजाद का साथी मुकर्रम पीड़िता की गतिविधियों पर नजर रखता था और शहजाद की मदद करता था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्रा की तहरीर पर थाना बिहारीगढ में मुकदमा दर्ज करते हुए शुक्रवार को आरोपी शहजाद (28) और मुकर्रम (27) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित छात्रा का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर अदालत में पेश किया जा रहा है। जैन ने कहा कि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

मुलुंड में साई भक्त मित्र मंडल का 37वां वर्धापन दिन एवं रामनवमी उत्सव संपन्न

मुलुंड, मुंबई। गुरुवार, दिनांक 26 मार्च को रामनवमी के पावन अवसर पर मुलुंड स्थित बी.एम.सी. कॉलोनी, डॉ. आर.पी. रोड में साई भक्त मित्र मंडल द्वारा 37वां वर्धापन दिन सोहळा बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकालीन होम-हवन से हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात भव्य पालखी यात्रा निकाली गई, जिसमें साई भक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भक्ति गीतों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। रामनवमी के इस विशेष पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे और साई बाबा के आशीर्वाद का लाभ लिया। आयोजन के दौरान भंडारा एवं महाप्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम का आयोजन साई भक्त मित्र मंडल के सदस्यों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिससे क्षेत्र में धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित हुआ।

गोहाना से मासूम का अपहरण, बच्ची को लेकर बिहार भागने की फिराक में था आरोपी

गोहाना। गोहाना शहर में 3 साल की बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है। मामले में गोहाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर बच्ची को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना गढ़ी सिसाये क्षेत्र की है। आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसी की 3 साल की बच्ची का अपहरण कर लिया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले आरोपी का अपने साढ़ू (रिश्तेदार) से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

गोहाना के ACP राहुल देव ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बच्ची का अपहरण कल शाम को हुआ था। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और आरोपी को दिल्ली के मयूर बिहार से बच्ची सहित गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान शशि फुलरिया, निवासी जिला मुजफ्फरनगर (बिहार) के रूप में हुई है, जो गोहाना में मजदूरी का काम करता था और किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी बच्ची को लेकर बिहार भागने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया।

पुलिस ने बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है और उसका मेडिकल करवाने के बाद उसे परिजनों के हवाले किया जाएगा। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने बच्ची का अपहरण किस मकसद से किया था।

एमपी में पेट्रोल-डीजल की बिक्री में भारी उछाल, 18 हजार से 37 हजार किलोलीटर तक पहुंची कीमत

भोपाल। मध्य प्रदेश में सामान्य रूप से पेट्रोल और डीजल की औसतन बिक्री प्रतिदिन 18,548 किलोलीटर होती है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में यह बढ़कर दो गुना से अधिक बढ़ गई है। अब यह 37 हजार किलोलीटर तक पहुंच गई है। पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम से भविष्य में संकट की आशंका में लोग पेट्रोल-डीजल की अधिक खरीदारी कर रहे हैं। इसके कारण कई जिलों में कुछ पंपों पर लंबी लाइनें और अस्थायी रूप से स्टॉक खत्म होने जैसी स्थिति भी बनी थी। कंपनियों के डिपो से डीजल और पेट्रोल की लगातार आपूर्ति की जा रही है। ऐसे में, पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की कमी की कोई स्थिति नहीं है। पेट्रोल-डीजल और गैस की आपूर्ति को लेकर भले ही सरकार दावा कर रही है कि उपलब्धता पर्याप्त है, लेकिन लोगों में डर है कि आगे चलकर स्थितियां बिगड़ सकती हैं। इसके कारण पेट्रोल और डीजल की बिक्री बढ़ गई है। जिनके पास एक से अधिक वाहन हैं, वे उन्हें पूरा भरवाकर रख रहे हैं। स्टॉक की कमी के कारण कुछ पंपों पर सीमित आपूर्ति की व्यवस्था भी लागू कर दी गई। इंटरनेट मीडिया पर राशनिंग की अफवाहें फैलीं तो मालवांचल के कुछ जिलों में पेट्रोल पंपों पर लाइनें लग गईं। कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए पुलिस लगानी पड़ी। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है। पर्याप्त भंडार है और लगातार आपूर्ति भी हो रही है। अफवाहों पर ध्यान न दें। भारत की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे आपूर्ति में कोई रुकावट नहीं है।

ऑयल कंपनी की ओर से दोहराया गया है कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में है। पेट्रोलियम पदार्थों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं, प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अभी तक 2,046 स्थानों पर जांच की गई और 2,888 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए। नौ प्रकरणों में एफआईआर भी दर्ज कराई गई। एलपीजी के बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक है। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं।

नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी पर कियोसाकी का दावा, 2026 की आर्थिक मंदी में अमीर बनने का मौका!

दिल्ली। बिजनेस डेस्क: वैश्विक बाजारों में बढ़ते तनाव और ईरान युद्ध के बीच निवेशकों की चिंताएं बढ़ रही हैं। इस बीच रिच डैड, पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने 2026 में संभावित आर्थिक मंदी को लेकर नई बहस छेड़ दी है। कियोसाकी का दावा है कि फ्रांसीसी भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस और अमेरिकी भविष्यवक्ता एडगर केसी ने भी इस साल बड़े आर्थिक संकट की भविष्यवाणी की थी। कियोसाकी का मानना है कि इस मंदी को अवसर में बदलकर अमीर बनने का मौका है। कियोसाकी ने अपने बयान में फ्रांसीसी भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस और अमेरिकी भविष्यवक्ता एडगर केसी का जिक्र करते हुए कहा कि 2026 के आसपास बड़ी आर्थिक गिरावट या तबाही की भविष्यवाणी पहले भी की जा चुकी है।

कियोसाकी का कहना है कि अगर 2026 में आर्थिक मंदी आती है, तो वह इसे एक मौके के रूप में देखेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पारंपरिक निवेश जैसे शेयर, बॉन्ड या म्यूचुअल फंड में कम भरोसा रखते हैं और वैकल्पिक एसेट्स पर ज्यादा ध्यान देते हैं। कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में लिखा है, '1500 में नास्त्रेदमस ने कहा था कि 2026 में दुनिया पर विपत्ति आएगी। 1950 में एडगर केसी ने भी 2026 में एक बड़ी आर्थिक मंदी की भविष्यवाणी की थी। आपका क्या विचार है? मेरा सवाल है कि अगर साल 2026 में एक बड़ी आर्थिक मंदी आती है, तो आप अमीर बनेंगे या गरीब? मैं तो अमीर बनने की सोच रहा हूं। अपना ख्याल रखना।' नास्त्रेदमस ने 16वीं सदी में कुछ भविष्यवाणियां की थीं, जिनमें 2026 के आसपास बड़े युद्ध और तबाही के संकेत बताए जाते हैं। उनकी एक पंक्ति- 'सात महीने का बड़ा युद्ध' को मौजूदा वैश्विक तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। एडगर केसी को 20वीं सदी का प्रसिद्ध भविष्यवक्ता माना जाता है। उन्होंने 1935 में द्वितीय विश्व युद्ध की भविष्यवाणी की थी। उन्हें 1929 के वॉल स्ट्रीट क्रैश की भी भविष्यवाणी की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन भविष्यवाणियों का कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव और बाजार की अस्थिरता को देखते हुए निवेशकों में सतर्कता जरूर बढ़ी है।

शकरमंडी में धार्मिक झांकी के दौरान तलवारों का प्रदर्शन, पुलिस रही मौन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के शकरमंडी क्षेत्र में शुक्रवार शाम निकाली गई एक धार्मिक झांकी के दौरान युवकों द्वारा खुलेआम तलवारों का प्रदर्शन किया गया। हैरानी की बात यह रही कि मौके पर पुलिस मौजूद होने के बावजूद इस पर कोई रोक-टोक नहीं की गई, जिससे कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। शुक्रवार की शाम शकरमंडी इलाके में धार्मिक उत्साह के बीच एक झांकी निकाली गई, जिसमें भारत का बच्चा-बच्चा जय जय श्री राम बोलेगा जैसे नारों के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान कुछ युवक हाथों में तलवार लेकर सड़कों पर प्रदर्शन करते नजर आए। झांकी के साथ चल रहे कई युवकों ने खुलेआम तलवारें लहराईं और करतब भी दिखाए। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहे, लेकिन उन्होंने किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की। इस तरह सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन सुरक्षा के लिहाज से गंभीर मामला है। वहीं, पुलिस की निष्क्रियता ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रभारी निरीक्षक शहर कोतवाली विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।